हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

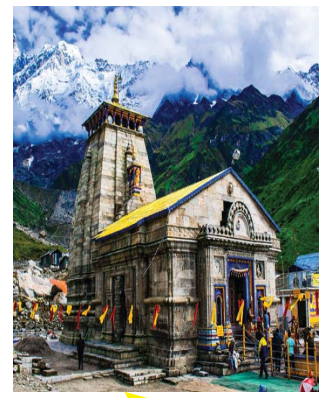

वर्ष:4 अंक:275 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, गुरूवार, 09 अक्टूबर 2025

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को आपदा राहत हेतु एल एंड टी ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए पांच करोड़

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जताया आभार, कहा— संकट की घड़ी में कॉर्पोरेट सेक्टर का योगदान राज्य के लिए बड़ी सहायता

पथ प्रवाह, नई दिल्ली।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बुधवार को नई दिल्ली में लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) कंपनी के प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान कंपनी ने उत्तराखंड में हाल ही में हुई प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों की सहायता एवं राहत-पुनर्वास कार्यों में सहयोग हेतु 5 करोड़ (पांच करोड़ रुपये) की राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में प्रदान की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एल एंड टी के इस सराहनीय सहयोग के लिए कंपनी के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में कॉर्पोरेट सेक्टर का योगदान राज्य सरकार के लिए एक बड़ी सहायता साबित होगा। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत, पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण के कार्यों को राज्य सरकार सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कर रही है। निजी क्षेत्र की सहभागिता से इन प्रयासों में और तेजी आएगी तथा प्रभावित लोगों को

शीघ्र राहत पहुंचाई जा सकेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि उत्तराखंड एक आपदा संवेदनशील राज्य है, जहां भौगोलिक परिस्थितियों के कारण समय-समय पर प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है। राज्य सरकार ने आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने और राहत तंत्र को अधिक सक्षम एवं प्रभावी बनाने के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य न केवल राहत और पुनर्वास तक सीमित है, बल्कि भविष्य में ऐसी आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम से कम करने के लिए दीर्घकालिक रणनीति पर भी कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने आशा व्यक्त की कि एल एंड टी जैसी अग्रणी कंपनियां आगे भी राज्य के विकास, आपदा प्रबंधन, बुनियादी ढांचे और सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़े कार्यों में सहयोग करती रहेंगी। इस अवसर पर एल एंड टी के निदेशक एस. वी. देसाई, कार्यकारी उपाध्यक्ष ए. आर. सोनी, डी.जी.एम. कॉरपोरेट अफेयर्स सचिन राणा और उत्तराखंड सरकार के अपर सचिव मनमोहन मैनाली उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री से मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की मुलाकात, सात जल विद्युत परियोजनाओं पर सैद्धांतिक सहमति

पथ प्रवाह, नई दिल्ली।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड में सात जल विद्युत परियोजनाओं (कुल क्षमता 647 मेगावाट) के विकास एवं निर्माण की स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार से समर्थन मांगा। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि उत्तराखंड राज्य गंगा और उसकी सहायक नदियों की निर्मलता एवं अविरलता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य में जल विद्युत परियोजनाएं न केवल स्वच्छ ऊर्जा के स्रोत हैं, बल्कि स्थानीय रोजगार सृजन और आर्थिक विकास के लिए भी आवश्यक हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि राज्य सरकार विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ने की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि केंद्र सरकार उत्तराखंड की ऊर्जा परियोजनाओं को आवश्यक स्वीकृतियाँ प्रदान कर राज्य के ऊर्जा क्षेत्र को नई गति देगी। बैठक में

मुख्यमंत्री ने हल्द्वानी में खेल विश्वविद्यालय की स्थापना के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि युवाओं को खेलों के माध्यम से रोजगारपरक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से गौलापार क्षेत्र में लगभग 12.317 हेक्टेयर वन भूमि विश्वविद्यालय हेतु हस्तांतरित करने का प्रस्ताव वन विभाग को भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि संबंधित अधिकारियों को इस भूमि हस्तांतरण हेतु आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएँ। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए सातों जल विद्युत परियोजनाओं के संबंध में सैद्धांतिक सहमति व्यक्त की। उन्होंने उत्तराखंड राज्य को हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया।

इस अवसर पर भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन सचिव तन्मय कुमार, उत्तराखंड के प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, विशेष सचिव डॉ. पराग मधुकर धकाते एवं स्थानिक आयुक्त अजय मिश्रा उपस्थित रहे।

मुंबई को मिला दूसरा हवाई अड्डा, मोदी ने किया उद्घाटन

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को 19,650 करोड़ रुपये की लागत से तैयार नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन किया। इस हवाई अड्डे का निर्माण अडानी एयरपोर्ट्स लिमिटेड द्वारा (सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर किया गया है जिसमें 26 प्रतिशत हिस्सेदारी महाराष्ट्र नगर एवं औद्योगिक विकास निगम की है। पहले चरण के तहत टर्मिनल-1 का उद्घाटन किया गया है जबकि यहां चार टर्मिनल के निर्माण की योजना है। मुंबई और उसके उपनगरीय इलाके में यह दूसरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है। यहां जल्द ही उड़ानों का परिचालन शुरू होने की उम्मीद है। इससे मुंबई हवाई अड्डे पर बोझ काफी कम होगा। उद्घाटन के मौके महाराष्ट्र के महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा

अजित पवार, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू और राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल भी मौजूद थे। हवाई अड्डे का निर्माण 1,160 हेक्टेयर में किया जा रहा है। यह दक्षिणी मुंबई से 37 किलोमीटर दूर स्थित है। इसे कमल के आकार में डिजाइन किया गया है। फिलहाल एक ही टर्मिनल से अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू दोनों उड़ानें शुरू की जायेंगी जिसकी सालाना क्षमता दो करोड़ यात्रियों की है।

उत्तराखंड सम्मिलित राज्य सिविल सेवा प्रारम्भिक परीक्षा का परिणाम घोषित

प्रथ प्रवाह, हरिद्वार। उत्तराखण्ड सम्मिलित राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा-2025 का परिणाम घोषित कर दिया गया है। प्रारम्भिक परीक्षा 29 जून, 2025 को आयोजित की गयी थी। 15 अभ्यर्थियों के लिए द्वितीय प्रश्नपत्र सामान्य बुद्धिमत्ता के लिए पुनः परीक्षा 10 सितम्बर 2025 को आयोजित की गई थी।

अभ्यर्थी लोकसेवा आयोग की वेबसाइट पर जाकर अपना सही परीक्षा परिणाम जान सकते हैं। परीक्षा परिणाम, आंसर सीट समेत सभी जानकारी आयोग ने अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दी हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी सरकार का सख्त एक्शन

देहरादून में 7 मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस निरस्त, 170 नमूने जांच को भेजे गए

पथ प्रवाह, देहरादून, 08 अक्टूबर

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर उत्तराखंड सरकार ने बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदेशभर में अवैध, असुरक्षित और निम्न गुणवत्ता वाली कफ सिरप दवाओं के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान शुरू किया है। यह कार्रवाई अब तक की सबसे व्यापक मुहिम के रूप में सामने आई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के निर्देशन में खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की टीमें प्रदेश के हर जिले में सक्रिय हैं। स्वास्थ्य सचिव एवं आयुक्त डॉ. आर. राजेश कुमार और अपर आयुक्त व ड्रग कंट्रोलर ताजबर सिंह जग्गी की देखरेख में औचक निरीक्षण और सैंपल जांच की प्रक्रिया लगातार जारी है।

देहरादून में 7 मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस निरस्त

देहरादून में बुधवार को एफडीए की टीमों ने चकराता रोड, किशननगर चौक, बल्लूपुर, कांवली रोड, बल्लीपुर और प्रेमनगर क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी की। औषधि निरीक्षक मानेंद्र सिंह राणा के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई में बच्चों के लिए बिकने वाले खांसी और सर्दी-जुकाम की दवाओं के क्रय-विक्रय पर तत्काल रोक लगा दी गई। कई दुकानों के स्टॉक सील कर दिए गए, जबकि कुछ विक्रेताओं ने स्वेच्छा से संदिग्ध सिरप हटा दिए। 11 सिरप के नमूने जांच को भेजे गए, और 7 मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस निरस्त कर दिए गए हैं।

उधम सिंह नगर : 40 नमूने जांच को भेजे

वरिष्ठ औषधि निरीक्षक नीरज कुमार और निधि शर्मा के नेतृत्व में उधम सिंह नगर जिले में 10 पेडियाट्रिक कफ सिरपों के नमूने जांच को लिए गए।

इन सिरपों में Dextromethorphan Hydrobromide, Chlorpheniramine Maleate और Phenylepherine Hydrochloride जैसे रासायनिक तत्व पाए गए हैं। अब तक जिले से 40 नमूने फॉर्म-17 में प्रयोगशाला भेजे जा चुके हैं।

हरिद्वार और रुड़की :अस्पतालों से लिए गए 15 नमूने

रुड़की के एयरन हॉस्पिटल, विनय विशाल हॉस्पिटल और हरिद्वार के मेट्रो हॉस्पिटल से एफडीए टीम ने 15 सिरप नमूने जांच के लिए लिए। औषधि निरीक्षक अनीता भारती के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में 39 नमूने अब तक जिले से जांच हेतु भेजे जा चुके हैं।

हल्द्वानी : सरकारी अस्पताल से जांच के लिए सिरप जब्त

सोबन सिंह जीना बेस हॉस्पिटल की ड्रग स्टोर से 3 कफ सिरप नमूने लिए गए। ये नमूने देहरादून की प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजे गए हैं। जबकि कोटद्वार में 'Respifresh TR' सिरप का स्टॉक सीज। पौड़ी जिले के कोटद्वार में एफडीए टीम ने कल रात और आज सुबह छापेमारी कर Respifresh TR कफ सिरप का स्टॉक जब्त किया। कई मेडिकल स्टोरों से नमूने लेकर उन्हें जांच के लिए भेजा गया।

अल्मोड़ा : चौखुटिया और चांदीखेत में एनएसक्यू सिरप जब्त

अल्मोड़ा जिले के चौखुटिया और चांदीखेत में हुई छापेमारी में Respifresh TR (Batch No. R01GL2523) की 12 बोतलें जब्त की गईं।

यह सिरप पहले ही एनएसक्यू (Non-Suitable Quality) घोषित किया जा चुका है।

रुद्रप्रयाग और उत्तरकाशी में भी कार्रवाई तेज

रुद्रप्रयाग के तिलवाड़ा क्षेत्र से 4 सिरप नमूने, जबकि उत्तरकाशी में Dextromethorphan Hydrobromide, Coldrif, Respifresh TR, Relife जैसे सिरपों के नमूने लिए गए। औषधि निरीक्षक मोहम्मद ताजिम ने चेतावनी दी है कि 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को कोई भी कफ सिरप न दिया जाए।

अब तक 148 नमूने जांच को भेजे गए

प्रदेशभर में एफडीए की कार्रवाई के तहत अब तक 148 नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। कई प्रतिष्ठानों पर नोटिस जारी किए गए हैं और संदिग्ध स्टॉक जब्त कर सील किया गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का बयान है कि बच्चों के स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। हमारी सरकार हर उस तत्व के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी जो बच्चों की जान से खिलवाड़ करेगा। दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत

स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि एफडीए की यह कार्रवाई स्पष्ट संदेश देती है कि उत्तराखंड में बच्चों की सेहत सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता से अपील है कि बिना डॉक्टर की सलाह के कोई भी दवा या सिरप बच्चों को न दें।

स्वास्थ्य सचिव एवं आयुक्त डॉ.आर राजेश कुमार

संदिग्ध सिरपों की जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सभी मेडिकल स्टोरों को निर्देश दिए गए हैं कि संदिग्ध बैच नंबर की औषधियां तुरंत हटाई जाएं।

ड्रग कंट्रोलर ताजबर सिंह जग्गी ने कहा कि पिछले चार दिनों में 27 नमूने जांच हेतु लिए गए हैं। विभाग की टीमें दिन-रात फील्ड में सक्रिय हैं।

हमारा लक्ष्य है कि किसी भी असुरक्षित औषधि को बाजार से पूरी तरह समाप्त किया जाए।

एक नजर

शराब पीकर बाइक चलाना युवक को पड़ा भारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाये जा रहे अभियान आपरेशन लगाम के तहत लक्सर पुलिस ने एक युवक के खिलाफ कार्रवाई है। आरोपी युवक नशे में वाहन चला रहा था। इस अभियान के तहत ओवर स्पीड, रैश ड्राइविंग, वाहन चालाते मोबाइल का प्रयोग करना, नशे में वाहन चालान, मोडिफाईड/रेट्रो साईलेन्सर,, नाबालिंग द्वारा वाहन चलाना, ओवर लोडिंग, ट्रिपल राईडिग आदि के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। लक्सर पुलिस द्वारा अलग-अलग क्षेत्र में पुलिस टीमों से वाहन चैकिंग करा रहा है। इस दौरान एक व्यक्ति को शराब पीकर वाहन चलाते हुए पाया गया जिसका एमवीएक्ट में धारा 185 एमवीएक्ट में चालान कर बाइक सीज की गई।

हरिद्वार पुलिस मलेरकोटला पंजाब से दबोच लाई दुष्कर्म का आरोपी

पथ प्रवाह, हरिद्वार, 08 अक्टूबर। कोतवाली ज्वालापुर पुलिस की टीम मलेरकोटला, पंजाब से दुष्कर्म के आरोपी मोहम्मद जमील को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह गिरफ्तारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद हरिद्वार के दिशा-निर्देशों के तहत की गई।

जीरो FIR पर दर्ज हुआ था मामला

18 जनवरी 2024 को वादिया निवासी युवती के साथ होटल गंगा पार्क, रानीपुर मोड़ में हुई दुष्कर्म/यौन शोषण की वारदात के संबंध में थाना मलेरकोटला, पंजाब से प्राप्त जीरो स्त्रक्र के आधार पर कोतवाली ज्वालापुर पर अपराध संख्या 402/2025, धारा 376 भादवि के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।

आरोपी की गिरफ्तारी: पंजाब से हरिद्वार लाया गया आरोपी

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार, कोतवाली ज्वालापुर पुलिस ने लगातार छानबीन के बाद आरोपी मोहम्मद जमील पुत्र मोहम्मद सदीक, निवासी जनता नगर, मलेरकोटला, थाना सिटी, जिला मलेरकोटला, पंजाब को उनके ठिकाने से गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी 07 अक्टूबर 2025 को की गई।

गिरफ्तारी में शामिल पुलिस टीम: इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में निम्नलिखित पुलिसकर्मी शामिल रहे उप निरीक्षक सोनल रावत, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार

केदारनाथ में टूटा 2024 का रिकॉर्ड- श्रद्धालुओं की संख्या 16.56 लाख के पार

पथ प्रवाह, संवाददाता। उत्तराखंड की विश्व प्रसिद्ध चारधाम यात्रा साल 2025 में पूरे उत्साह के साथ चरम की ओर बढ़ रही है। बारिश और बर्फबारी के बावजूद श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी देखी जा रही है। केदारनाथ यात्रा ने साल 2025 में नया रिकॉर्ड बना दिया है। केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं की संख्या 16 लाख 56 हजार के पार पहुँच गई, जबकि अभी धाम के कपाट बंद होने में 14 दिन शेष हैं। जबकि वर्ष 2024 में पूरे यात्राकाल में कुल 16 लाख 52 हजार 76 श्रद्धालु केदारनाथ दर्शन के लिए पहुंचे थे। बुधवार को केदारनाथ धाम में 5614 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। केदारनाथ के कपाट आगामी 23 अक्टूबर को भैयादूज के अवसर पर बंद होंगे।

अन्य धामों में भी बढ़ी श्रद्धालुओं की संख्या

बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में भी इस समय यात्रियों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है। प्रदेश सरकार की ओर से श्रद्धालुओं के उत्साह को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित यात्रा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यात्रा मार्गों पर सुरक्षा जवानों की तैनाती की गई है। भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों पर मलबे की सफाई के लिए जेसीबी की व्यवस्था की गई है, ताकि यातायात सुचारू रूप से चलता रहे।

चारधाम यात्रा का आरंभ और मौसम की चुनौतियां

इस वर्ष चारधाम यात्रा का आरंभ 30 अप्रैल को गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ हुआ। इसके बाद 2 मई को केदारनाथ और 4 मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट आम श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले गए। मानसून सीजन में अतिवृष्टि, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं के चलते चारधाम यात्रा प्रभावित हुई थी। गंगोत्री धाम का महत्वपूर्ण पड़ाव धराली बुरी तरह तबाह हो गया। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा कुछ समय के लिए रोकनी पड़ी थी। बारिश थमने के बाद भी यात्रा को बहाल करना बड़ी चुनौती था। प्रशासन और शासन की टीमों ने युद्धस्तर पर कार्य कर आम जनजीवन की बहाली के साथ ही यात्रा मार्गों को सुचारू किया।

यात्रियों के लिए सुरक्षा और चेतावनी

प्रशासन की ओर से यात्रियों को लगातार सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। मौसम खराब होने पर यात्रा न करने और सुरक्षित स्थान पर शरण लेने की बार-बार हिदायत दी जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा से जुड़े सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता हो। यात्रा मार्गों पर सभी आवश्यक सुविधाओं और सुरक्षा इंतजामों का पूरा ध्यान रखा जाए। सभी जिम्मेदार अधिकारी अलर्ट मोड पर रहें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया जा सके।

प्रदेश में तीसरी बार 2027 में बनेगी भाजपा सरकार: सुरेश जोशी

पथ प्रवाह संवाददाता।

हरिद्वार। भाजपा उत्तराखंड प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता सुरेश जोशी ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार उत्तराखंड का तेजी से विकास कर रही है। प्रदेश की धामी सरकार और केंद्र की मोदी सरकार के बीच बेहतर समन्वय के चलते शिक्षा, चिकित्सा, सड़क और रेल कनेक्टिविटी जैसी हजारों करोड़ रूपये की तमाम केंद्रीय योजनाओं का लाभ उत्तराखंड को मिला है।

बुधवार को हरिद्वार में पत्रकारों से वार्ता करते हुए सुरेश जोशी ने राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने दावा किया कि तीसरी बार भी उत्तराखंड में भाजपा की ही सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता विहीन, नेतृत्व विहीन और विचार विहीन राजनीतिक दल है, जिनके नेताओं में प्रदेश में अग्रिम पंक्ति में अपना स्थान बनाने की होड़ लगी हुई है। कहा कि भाजपा पर आरोप लगाने से पहले कांग्रेस को अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। कहा कि केंद्र सरकार से बेहतर समन्वय के चलते किसी भी विभाग में बजट की कमी नहीं है। राज्य का विकास मुख्यमंत्री धामी का विजन है। कहा कि 2027 में हरिद्वार में होने वाले अर्द्धकुंभ मेले को भव्य और दिव्य रूप से आयोजित कराने के लिए सरकार तैयारियों में जुटी है।

खनन से 1200 करोड़ का मिला राजस्व

जोशी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा बेहतर नीति लागू किए जाने से खनन से 1200 करोड़ और शराब ठेकों से 900 करोड़ रुपए का राजस्व प्रदेश को मिल रहा है। पत्रकारवार्ता के दौरान दायित्वधारी ओमप्रकाश जमदग्नि, जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा, प्रदेश मीडिया सह संयोजक विकास तिवारी, जिला महामंत्री संजीव चौधरी, जिला उपाध्यक्ष लव शर्मा आदि भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे।

सिडकुल में उगाही और मारपीट के आरोप पर चार पीआरडी जवान निलंबित

पथ प्रवाह, हरिद्वार, 8 अक्टूबर 2025।

सिडकुल क्षेत्र में जबरन उगाही और मारपीट के आरोप में चार पीआरडी जवानों को निलंबित कर दिया गया है। मामला शिकायतकर्ता दिव्यांश की शिकायत पर सामने आया, जिसमें उसने पीआरडी स्वयंसेवक महेश चंद, बीरमपाल, सतीश कुमार और लक्ष्मण सिंह पर जबरन धन वसूली और अभद्रता के गंभीर आरोप लगाए थे। शिकायत के साथ दिव्यांश ने पुख्ता प्रमाण भी जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए थे। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के आदेश पर जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी प्रमोद चंद्र पांडेय ने प्रकरण की जांच के लिए दोनों पक्षों को 8 अक्टूबर को जिला मुख्यालय बुलाया। सुनवाई के दौरान चारों पीआरडी जवानों ने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज और जबरन धनराशि वसूलने की बात स्वीकार कर ली।

प्रमोद चंद्र पांडेय ने बताया कि चारों जवानों का आचरण विभागीय छवि के विपरीत पाया गया है। ऐसे में महेश चंद, बीरमपाल, सतीश कुमार और लक्ष्मण सिंह को 8 अक्टूबर से अग्रिम आदेशों तक निलंबित कर दिया गया है। निलंबन आदेश में यह भी निर्देश दिए गए हैं कि तीनों पीआरडी जवान–महेश चंद, बीरमपाल और सतीश कुमार–एक सप्ताह के भीतर शपथ पत्र लिखित रूप में अपने क्षेत्रीय युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी को प्रस्तुत करें। यदि निर्धारित अवधि में शपथ पत्र जमा नहीं किया गया, तो विभागीय कार्रवाई और सख्ती से की जाएगी। वहीं, पीआरडी जवान लक्ष्मण सिंह को निलंबित करते हुए उनके मूल जनपद पौड़ी गढ़वाल वापस भेज दिया गया है। क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी को इस मामले में पीआरडी अधिनियम के तहत आवश्यक कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने और पूरी जानकारी विभाग को भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने स्पष्ट किया है कि अनुशासनहीनता और जबरन उगाही जैसे मामलों में किसी भी स्तर पर रियायत नहीं दी जाएगी।

अर्द्धकुंभ के प्रस्तावित कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय से करें पूरा: पंत

पथ प्रवाह संवाददाता।

हरिद्वार। आगामी 2027 में अर्द्धकुम्भ को सुव्यस्थित ढंग से संचालित कराये जाने के लिए सिंचाई विभाग द्वारा कराये जा रहे निमार्ण कार्यों का सचिव सिंचाई जुगल किशोर पंत ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यों को गुणवता एवं समयबद्वता के साथ कार्यदायी संस्था को पूरा करने के निर्देश दिये।

प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में 2027 में आयोजित होने वाले अर्धकुम्भ को दिव्य भव्य एवं सुव्यवस्थित ढ़ग से संचालित करने के लिए सिंचाई विभाग द्वारा यूआईआईडीबी द्वारा प्रस्तावित योजना के कार्यों का बुधवार को सचिव सिंचाई जुगल किशोर पंत ने स्थलीय निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित एवं सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान सचिव सिंचाई ने कार्यदायी संस्था एवं सम्बन्धित अधिकारीयों को निर्देश दिये है कि अर्धकुम्भ मेले को सुव्यवस्थित ढ़ग से संचालित करने के लिए जो भी घाटों का निमार्ण कार्य एवं रिडवलपमेंट के प्रस्तावित कार्यो को गुणवत्ता एवं समयबद्वता के साथ पूरा करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये है कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि अर्धकुम्भ मेले को दिव्य एवं भव्य ढंग से आयोजित करने के लिए मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए जो भी सुविधाएं एवं व्यवस्थाओं के कार्य प्रस्तावित है उन कार्यो को समय से हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए, जिससे कि अर्धकुम्भ मेले को सुव्यवस्थित ढंग से सम्पादित किया जा सके। सचिव सिंचाई द्वारा हरकी पैड़ी क्षेत्र, मालवीय द्वीप, कांगड़ा घाट, महिला घाट, पंत द्वीप, सुभाष घाट, गौघाट एवं रोड़ी बेलवाला आदि क्षेत्रों में प्रस्तावित कार्यो का जिलाधिकारी एवं सम्बन्धित अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, प्रमुख अभियंता सुभाष चंद्र, मुख्य अभियंता सिंचाई चंद्रशेखर सिंह, अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती, उपजिलाधिकारी हरिद्वार जितेन्द्र कुमार, अधिशासी अभियंता सिंचाई ओम जी गुप्ता सहित सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

औ?षधि विभाग की टीम ने मैट्रो हॉस्पिटैलिटी से लिए दवा के सैंपल

पथ प्रवाह, संवाददाता।

हरिद्वार। राज्य में खांसी की दवाओं की गुणवत्ता और मानक सुनिश्चित करने के लिए औषधि नियंत्रण विभाग उत्तराखंड द्वारा चलाया जा रहा सघन निरीक्षण अभियान हरिद्वार क्षेत्र में लगातार जारी है। औषधि विभाग की टीम निरीक्षण के दौरान दवाओं के सैंपल लेकर जांच के लिए राज्य परीक्षण लैब में भी भेज रही है।

इसी क्रम में बुधवार को वरिष्ठ औषधि निरीक्षक अनीता भारती के नेतृत्व में औषधि निरीक्षक मेघा एवं विभागीय टीम द्वारा सिडकुल क्षेत्र स्थित मैट्रो हॉस्पिटैलिटी का औचक निरीक्षण किया गया, जहां से 5

औषधि सैंपल जांच हेतु संग्रहित कर राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशाला को भेजे गए। निरीक्षण के दौरान टीम ने मेडिकल स्टोर्स में औषधियों की वैधता, स्टोरेज कंडीशन, बिलिंग रिकॉर्ड और ड्रग लाइसेंस की जांच की। वरिष्ठ औषधि निरीक्षक अनीता भारती ने बताया कि औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा खांसी की दवाओं की गुणवत्ता की जांच को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। किसी भी मेडिकल प्रतिष्ठान में मानक उल्लंघन या बिना अनुमति औषधि विक्रय पाए जाने पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान औषधि आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है, ताकि नागरिकों को केवल सुरक्षित और मानक गुणवत्ता की दवाएं ही प्राप्त हों।

एक नजर

हथियार रखने का शौक पड़ा भारी, जाना पड़ा जेल

पथ प्रवाह, दीपक चौहान। हरिद्वार पुलिस द्वारा घटनाओं पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के तहत कोतवाली गंगनहर पुलिस ने एक युवक को अवैध दो अवैध बंदूकों के साथ गिरफ्तार किया है। कोतवाली गंगनहर पुलिस के मुताबिक मुखबिर खास की सूचना पर एक व्यक्ति को 2 नाजायज एक नाली बंदूकों के साथ माधोपुर अंडरपास से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के विरुद्ध कोतवाली गंगनहर पर मुकदमा अपराध संख्या 483/25 धारा 25/3 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया। आरोपी का नाम जाबिर पुत्र युसूफ निवासी रसूलपुर थाना कोतवाली गंग नहर जनपद हरिद्वार है।

नशा तस्करों के खिलाफ कनखल पुलिस की ताबड़तोड़ कार्यवाही

पथ प्रवाह, दीपक चौहान, हरिद्वार। कनखल थाना पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो अलग- अलग स्थानों से अवैध शराब के साथ चार शराब तस्करों को गिरफ्तार किया। इनके पास से पुलिस ने अंग्रेजी व देशी शराब बरामद की है। कनखल पुलिस के मुताबिक ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025 के तहत नशा तस्करों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक थाना कनखल के नेत्तृव में शराब तस्करों की धर पकड़ के लिए बनायी गई पुलिस टीमों को सफलता हाथ लग रही है। कनखल पुलिस ने शमशान घाट के निकट लोहे के पुल के पास से, मातृ सदन व बैरागी कैम्प शुलभ शौचालय और श्रीयन्त्र पुलिया के पास से 4 आरोपियों को अवैध शराब के साथ पकड़ा है। चारों अभियुक्तों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों के नाम कुनाल पुत्र बिरेन्द्र कुमार, अंकित पुत्र मामचन्द, रोहित पुत्र राजकुमार और अभिषेक हिन्दू शर्मा पुत्र दिवेश शर्मा है।

5 लीटर कच्ची शराब के साथ दबोचा नशा तस्कर

प्रथ प्रवाह, लक्सर। हरिद्वार पुलिस द्वारा नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी और बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत कोतवाली लक्सर ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से अवैध शराब बरामद हुई। पकडे गये व्यक्ति के विरुद्ध कोतवाली लक्सर पर आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्त का नाम जयदीप पुत्र भोपाल सिह निवासी ग्राम दरगाहपुर थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार है।

कलियर पुलिस 4 साल की बच्ची को ढूंढकर लौटायी मुस्कान

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कलियर थाना पुलिस ने एक चार साल की लापता बच्ची को ढूंढकर सकुशल उनके परिजनों को सौंप दिया। बच्ची को पाकर परिजनों के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। थाना पिरान कलियर पर महिला आमना निवासी ईदगाह बस्ती थाना कांठ, जिला मुरादाबाद ने अपनी 4 वर्षीय पोती के दरगाह साबिर पाक, पिरान कलियर से कहीं गुम हो जाने के संबंध में सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना पिरान कलियर पुलिस ने तीन पुलिस टीमों का गठन कर त्वरित खोजबीन में जुट गई। गठित टीमों द्वारा दरगाह क्षेत्र एवं आसपास के नगर में लगे सीसीटीवी कैमरों का सूक्ष्म अवलोकन किया गया। पुलिस के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप मात्र 12 घंटे के भीतर गुमशुदा बालिका को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया। परिजनों द्वारा कलियर पुलिस की तत्परता एवं संवेदनशीलता की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई है।

गुमशुदा बच्चों को परिजनों से मिलवा रही हरिद्वार पुलिस

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार पुलिस की एण्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट लगातार गुमशुदा बच्चों को ढूंढकर उन्हें सकुशल उनके परिजनों से मिलाकर सराहनीय कार्य कर रही है।

इसी क्रम में ग्राम धंधड़, जनपद मुजफ्फरनगर (उत्तर प्रदेश) रियासत के परिजनों के लिए उस वक्त खुशी का संदेश मिला जब उनके बेटे को सकुशल मिलवाया गया। बालक के पिता रियासत ने बताया कि उनका पुत्र 05.10.2025 को घर से बिना बताए कहीं चला गया था और वापस नहीं लौटा। उन्होंने परिजनों व स्थानीय थाने के माध्यम से काफी खोजबीन की, परंतु कोई सफलता नहीं मिली। इसी बीच 08.10.2025 की रात्रि में, हरिद्वार पुलिस की एण्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट द्वारा ग्राम प्रधान से संपर्क कर बालक के बारे में सूचना दी गई। सूचना मिलने पर बालक के पिता स्वयं हरिद्वार पहुंचे। टीम द्वारा बालक व उसके पिता

रियासत को आवश्यक कागजी कार्यवाही पूर्ण कर बाल कल्याण समिति, हरिद्वार के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां विधिक प्रक्रिया एवं काउंसलिंग उपरांत बालक को खुला आश्रयगृह, कनखल से मुक्त कराकर पिता के सुपुर्द किया गया। बालक के पिता ने अपने पुत्र के सकुशल मिलने पर हरिद्वार पुलिस के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया।

31 अक्टूबर तक पूरी हों सभी सरकारी भवनों में संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों में पेयजल की व्यवस्था: सीडीओ

पथ प्रवाह संवाददाता।

हरिद्वार। जनपद हरिद्वार के अंतर्गत संचालित सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में पेयजलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे कार्यों की सीडीओ आकांक्षा कोण्डे ने समीक्षा की। बैठक में जल संस्थान के अधिशासी अभियंता विपिन चौहान तथा बाल विकास विभाग की ओर से सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) उपस्थित रहे।

बैठक में बाल विकास विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में कुल 3,179 आंगनवाड़ी केंद्र संचालित हो रहे हैं, जिनमें से 1,320 आंगनवाड़ियां सरकारी भवनों में हैं। इनमें से 635 आंगनवाड़ी भवनों में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जानी थी। जल संस्थान के अधिशासी अभियंता ने बताया कि अब तक 114 आंगनवाड़ी केंद्रों में पेयजलापूर्ति से संबंधित सभी कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि शेष आंगनवाड़ी केंद्रों में पेयजलापूर्ति संबंधी सभी कार्य आगामी 31 अक्टूबर 2025 तक पूर्ण कर लिए जाएंगे।

अधिशासी अभियंता ने यह भी कहा कि सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से और निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरे किए जा रहे हैं। मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे ने कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी सीडीपीओ और सुपरवाइजरों को निर्देश दिए कि कार्य प्रारंभ एवं पूर्ण होने के उपरांत शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए ÷क्वालिटी एश्योरेंस सर्टिफिकेट÷ प्रदान करें। सीडीओ ने जल संस्थान के अधिशासी अभियंता को निर्देश दिए कि 31 अक्टूबर तक सभी कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। साथ ही, उन्होंने बाल विकास विभाग के सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाते हुए निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। सीडीओ ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य और सुविधा से जुड़ा यह कार्य प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है।

धामी सरकार चली गरीब के द्वार, तीन गांवों में लगे बहुउद्देशीय शिविर

पथ प्रवाह संवाददाता।

हरिद्वार। समाज कल्याण योजनाएं अनुश्रवण समिति के उपाध्यक्ष देशराज कर्णवालके नेतृत्व में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर समाज कल्याण बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन ब्लॉक नारसन के 3 गांवों में किया गया। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों की जनसमस्याओं को भी सुना गया। शिविर के दौरान ग्राम कुरड़ी में 40, झबीरन जट में 34 और नगला एमाद में 29 जनसमस्याएं सुनी गई।

शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों की जनसमस्याओं को सुनकर उनका त्वरित समाधान करना तथा समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना है। शिविर में क्षेत्रीय नागरिकों ने सैकड़ों सैकड़ों की संख्या में बढ़-चढ़कर भाग लिया और उत्साहपूर्वक अपनी समस्याएं संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत कीं।

इनमें कई समस्या एक जैसी थी, समस्याओं का समाधान शिविर स्थल पर ही संबंधित विभागीय अधिकारियों द्वारा किया गया, जबकि कुछ जिला स्तर की समस्याएं थीं जिन्हें समाधान हेतु जिलाधिकारी को प्रेषित किया जाएगा। कुरडी गांव में मौके पर राजस्व टीम को बुलाकर लंबित चले आ रहे पैमाइश प्रकरण को हल करने का सफल प्रयास किया।

इस अवसर पर देशराज कर्णवाल ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। इसके लिए विभाग द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के बहुउद्देशीय शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे। शिविर में सभी संबंधित रेखीय विभागों के अधिकारीगण व कर्मचारीगण, ग्राम प्रधान, पंचायत सदस्यगण एवं सैकड़ो की संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अग्निशमन विभाग ने आग से बचाव के लिए दिया प्रशिक्षण

पथ प्रवाह, संवाददाता।

हरिद्वार। हरिद्वार जनपद के अग्निशमन अधिकारी हरिद्वार बीरबल सिंह एवं फायर सर्विस चालक सुरेन्द्र रावत द्वारा भागीरथी होटल में होटल के कर्मचारियों के लिए अग्नि सुरक्षा एवं बचाव उपायों पर मॉक ड्रिल, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों को होटल परिसर में उपलब्ध प्राथमिक अग्निशमन उपकरणों के सही संचालन की जानकारी दी गई। उनका व्यवहारिक प्रयोग (डेमो) भी कराया गया। इसके अतिरिक्त, होटल के किचन क्षेत्र में एलपीजी गैस सिलेंडर में लगने वाली आग को नियंत्रित

करने के उपायों के साथ-साथ शॉर्ट सर्किट से होने वाली आग की घटनाओं से बचाव के सुरक्षित तरीके भी विस्तार से बताए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्परता से प्रतिक्रिया करने की क्षमता विकसित करना था।

संपादकीय

भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रधानमंत्री मोदी की निर्णायक पहल- अर्थव्यवस्था और समानता की ओर एक बड़ा कदम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने देश में फैले भ्रष्टाचार की जड़ों को समाप्त करने और अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए एक निर्णायक कदम उठाने की दिशा में ठोस तैयारी शुरू कर दी है। भ्रष्टाचार और बेनामी संपत्ति जैसी काले धन की गतिविधियों ने न केवल देश की विकास गति को प्रभावित किया है, बल्कि गरीब और अमीर के बीच खाई को भी और गहरा किया है।

केंद्र सरकार ने अब बेनामी लेनदेन पर पूरी तरह से रोक लगाने की योजना बनाई है। आयकर विभाग ने संपत्ति रजिस्ट्रार के रिकार्ड की जांच करने का संकल्प लिया है, जिससे हजारों अवैध और छुपी संपत्तियाँ आयकर की निगरानी में आएँगी। यह केवल कर वसूली का माध्यम नहीं है, बल्कि एक व्यापक कदम है जो देश की आंतरिक व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा।

सरकार का मानना है कि देश की अर्थव्यवस्था को सही दिशा देने के लिए सबसे पहले आंतरिक पारदर्शिता और अनुशासन सुनिश्चित करना जरूरी है। जब संपत्तियों का उचित मूल्यांकन संभव होगा, तब ही आर्थिक संसाधनों का न्यायसंगत वितरण संभव होगा। इस प्रक्रिया से न केवल भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी, बल्कि समाज में समानता की भावना भी मजबूत होगी।

यह कदम प्रधानमंत्री मोदी की उस दृष्टि को साकार करता है, जिसमें भारत एक सशक्त, पारदर्शी और न्यायसंगत अर्थव्यवस्था के रूप में उभरे। इससे न केवल गरीबों को उनके अधिकार और अवसर मिलेंगे, बल्कि देश की विकास यात्रा में भी नई गति आएगी।

अतः यह पहल केवल प्रशासनिक सुधार नहीं है, बल्कि एक सामाजिक और आर्थिक क्रांति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यदि यह योजना सफल होती है, तो आने वाले वर्षों में भारत भ्रष्टाचार और बेनामी संपत्ति के बोझ से मुक्त होकर एक मजबूत, समृद्ध और समान समाज की ओर अग्रसर होगा।

नासा एजेंसी के पहले प्रशासक-कीथ ग्लेनन

संजय गोस्वामी

8 सितंबर, 1905 - 11 अप्रैल, 1995)

नासा के पहले सीईओ, कीथ ग्लेनन थे, जिन्होंने नासा एजेंसी के पहले प्रशासक के रूप में कार्य किया।थॉमस कीथ ग्लेनन का जन्म 8 सितंबर, 1905 को एंडरलिन, नॉर्थ डकोटा, संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था। उन्होंने विस्कॉन्सिन के ओ क्लेयर स्टेट टीचर्स कॉलेज में शिक्षा प्राप्त की, तत्पश्चात येल विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया, जहाँ से उन्होंने 1927 में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में विज्ञान स्नातक की डिग्री प्राप्त की।12 अप्रैल 1995 राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन की स्थापना 1958 में हुई थी, और ग्लेनन नए नागरिक अंतरिक्ष कार्यक्रम का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किए गए शुरुआती नेता थे। थॉमस कीथ ग्लेनन एक बहुत ही महत्वपूर्ण अमेरिकी नेता थे। उन्हें नासा, राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन के पहले प्रशासक के रूप में जाना जाता है। उन्होंने 19 अगस्त, 1958 से 20 जनवरी, 1961 तक नासा का नेतृत्व किया।थॉमस कीथ ग्लेनन का जन्म एंडरलिन, नॉर्थ डकोटा में हुआ था। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, ग्लेनन ने कनेक्टिकट स्थित अंडरवाटर साउंड लैबोरेटरीज में अमेरिकी नौसेना के लिए महत्वपूर्ण शोध में योगदान दिया। युद्ध के बाद, वे क्लीवलैंड, ओहायो स्थित केस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के अध्यक्ष बने, जहाँ उनके नेतृत्व में यह संस्थान संयुक्त राज्य अमेरिका के अग्रणी इंजीनियरिंग संस्थानों में से एक बन गया। उन्होंने कई वर्षों तक अमेरिकी परमाणु ऊर्जा आयोग में भी कार्य किया। नासा के प्रशासक के रूप में, ग्लेनन ने एक ऐसे संगठन का नेतृत्व किया जिसने पूर्व राष्ट्रीय वैमानिकी सलाहकार समिति, उसके 8,000 कर्मचारियों, 10 करोड़ डॉलर के वार्षिक बजट, और तीन प्रमुख अनुसंधान प्रयोगशालाओं–लैंग्ली एयरोनॉटिकल लैबोरेटरी, एम्स एयरोनॉटिकल लैबोरेटरी, और लुईस फ़्लाइट प्रोपल्शन लैबोरेटरी–के साथ-साथ दो छोटी परीक्षण सुविधाओं को पूरी तरह से एकीकृत कर दिया, जिससे नासा का मूल स्वरूप तैयार हुआ। नासा के गठन के कुछ समय बाद, ग्लेनन ने एक व्यवहार्य, दीर्घकालिक वैज्ञानिक अंतरिक्ष कार्यक्रम के विकास को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न संघीय एजेंसियों से अंतरिक्ष अन्वेषण में शामिल कई अन्य संगठनों को अपने में समाहित कर लिया। इसमें नौसेना अनुसंधान प्रयोगशाला का एक हिस्सा नासा को हस्तांतरित करना और गोडार्ड स्पेस फ़्लाइट सेंटर की स्थापना शामिल थी। उन्होंने विभिन्न उपग्रह कार्यक्रमों, दो चंद्र अन्वेषण वाहनों, तथा अमेरिकी वायु सेना और रक्षा विभाग की उन्नत अनुसंधान परियोजना एजेंसी के अनुसंधान प्रयासों को भी सम्मिलित किया, ताकि एक एकल कक्ष में एक मिलियन पाउंड थ्रस्ट (4.4 मिलियन न्यूटन) उत्पन्न करने में सक्षम रॉकेट इंजन विकसित किया जा सके। उन्होंने येल विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और 1927 में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। कॉलेज के बाद, उन्होंने नए ध्वनि चलचित्र उद्योग में काम किया। उन्होंने पैरामाउंट पिक्चर्स और सैमुअल गोल्डविन स्टूडियो जैसी बड़ी कंपनियों के स्टूडियो का प्रबंधन भी किया। नासा प्रशासक के रूप में, ग्लेनन ने एक ऐसे संगठन की अध्यक्षता की जिसने पूर्ववर्ती राष्ट्रीय वैमानिकी सलाहकार समिति (एनएसीए) को पूरी तरह से अपने एजेंसी में समाहित कर लिया था नासा के औपचारिक संगठन के कुछ ही समय बाद, ग्लेनन ने अन्य संघीय एजेंसियों से अंतरिक्ष अन्वेषण परियोजनाओं में शामिल कई संगठनों को नासा में शामिल कर लिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि दीर्घकालिक रूप से अंतरिक्ष अन्वेषण का एक व्यवहार्य वैज्ञानिक कार्यक्रम यथोचित रूप से संचालित किया जा सके। उन्होंने नासा में नौसेना अनुसंधान प्रयोगशाला का एक हिस्सा लाया और इसके उपयोग के लिए गोडार्ड अंतरिक्ष उड़ान केंद्र की स्थापना की।उन्होंने कई अलग-अलग उपग्रह कार्यक्रमों, दो चंद्र अन्वेषण यानों, और अमेरिकी वायु सेना तथा अमेरिकी रक्षा विभाग (डीओडी) की उन्नत अनुसंधान परियोजना एजेंसी से एक मिलियन पाउंड बल थ्रस्ट, एकल-कक्ष रॉकेट इंजन विकसित करने के अनुसंधान प्रयास को भी शामिल किया। दिसंबर 1958 में ग्लेनन ने जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला का भी नियंत्रण हासिल कर लिया, जो कैलिफ़ोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित एक ठेकेदार सुविधा थी। 1960 में, ग्लेनन ने हंट्सविले, अलबामा स्थित आर्मी बैलिस्टिक मिसाइल एजेंसी का नासा को हस्तांतरण प्राप्त किया और उसका नाम बदलकर मार्शल स्पेस फ़्लाइट सेंटर कर दिया।

1960 के मध्य तक, ग्लेनन ने टोही उपग्रहों, बैलिस्टिक मिसाइलों और कुछ अन्य अंतरिक्ष-संबंधी परियोजनाओं (जिनमें से अधिकांश अभी भी अध्ययन के चरण में थीं और रक्षा विभाग द्वारा नियंत्रित थीं) को छोड़कर, सभी अंतरिक्ष गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए संघीय सरकार में नासा के लिए प्रधानता सुनिश्चित कर ली थी।

नोबेल पुरस्कार सप्ताह 6 से 13 अक्टूबर 2025 –

पुरे विश्व की नज़रें नोबेल शांति पुरस्कार पर

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

ट्रम्प के लिए 2025 के लिए नामांकन की आखिरी तारीख के बाद प्राप्त नामांकन अगले वर्ष 2026 के लिए विचार होने की संभावना

डोनाल्ड ट्रंप को 2025 का शांति पुरस्कार मिलने की संभावना नहीं, 2026 के लिए कठोर शांति श्रम करना होगा

वैश्विक स्तरपर सबसे प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कारों की घोषणाएँ हर वर्ष की तरह, 2025 में भी 6 से 13 अक्टूबर तक क़े ÷नोबेल सप्ताह÷ में की जा रही है जिस पर पूरे विश्व की नज़रें लगी हुई है विशेष रूप से नोबेल शांति पुरस्कार पर। चिकित्सा से शुरुआत, फिर भौतिकी, रसायन, साहित्य, शांति और अन्त में अर्थशास्त्र, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025, चिकित्सा की घोषणा हुई नोबेलसमिति द्वारा नॉबेल चिकित्सा या जीवविज्ञान पुरस्कार की घोषणा की गई। घोषणा आमतौर पर स्टॉकहोम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में होती है, और लाइव प्रसारण किया जाता है। यह पहला दिन होने के कारण वैज्ञानिक और स्वास्थ्य जगत में उच्च उत्सुकता होती है, और यह नोबेल सप्ताह की शुरुआत का संकेत देता है। दूसरे दिन मंगलवार 7 अक्टूबर 2025 भौतिकी पुरस्कार की घोषणा हुई है। यह परम्परा है कि भौतिकी पुरस्कार सप्ताह के दूसरे दिन घोषित किया जाए। बुधवार, 8 अक्टूबर 2025- रसायन पुरस्कार, 9 अक्टूबर 2025, साहित्य पुरस्कार की घोषणा होती है। साहित्य जगत, लेखकों, कवियों, आलोचकों एवं साहित्य- प्रेमियों के लिए यह एक उत्सव का दिन होता है। विजेता लेखक की पिछली कृतियाँ, विषय, उनकी वैश्विक प्रभाव और भाषा- संघर्ष चर्चित होते हैं।आमतौर पर, विजेता पहले से अज्ञात होते हैं,यानी लेखक को अचानक इस खबर की अभिभूत कर देने वाली घोषणा सुननी होती है।मीडिया एवं साहित्यकार तुरंत प्रतिक्रियाएँ देते हैं,÷क्या यह सही चयन है?÷,÷इसका साहित्य जगत पर क्या असर होगा?÷,÷इसके बाद लेखक की प्रसिद्धि और उनकी पुस्तकें किन भाषाओं में अनुवाद होंगी?÷ आदि सवाल उठते हैं।शुक्रवार,10 अक्टूबर 2025 शांति पुरस्कार की घोषणा, यह पुरस्कार नोर्वेजियन नोबेल समिति द्वारा सौंपा जाता है, जो नॉर्वे की संसद द्वारा नामित सदस्यों से मिलकर बनती है। इस दिन पूरी दुनियाँ की निगाहें तनावपूर्ण होती हैं,क्योंकि शांति पुरस्कार का राजनीतिक और सामाजिक महत्व बहुत अधिक होता है।विजेता या विजेताओं की घोषणा होते ही वैश्विक मीडिया,सरकारें, सामाजिक-न्याय और मानवाधिकार संगठन अपनी प्रतिक्रियाएँ देते हैं। पुरस्कार विजेता को शांति- संबंधी योगदानों के आधार पर आलोचना या समर्थन मिलता है।कई बार इस दिन ही यह विवाद उत्पन्न होता है कि क्या चयन न्यायसंगत है, क्या विजेता ने वास्तव में शांति लाने में योगदान दिया है,आदि।बाद में (दिसंबर में) विजेता को ओस्लो में शांति पुरस्कार समारोह और संबद्ध कार्यक्रम (जैसे संवाद, व्याख्यान) आयोजित होते हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि,अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को कई दिनों से शांति पुरस्कार मिलने की संभावना है चल रही है जबकि वे खुद कबूल कर चुके हैं कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं दिया जाएगा, वैसे भी कई नॉमिनेशन सिफारिशें अंतिम तारीख निकालने के बाद गए हैं, वैसे भी मीडिया के अनुसार वे एक विवादास्पद, चिर विवादित और प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तित्व हैं, लंबे समय से नोबेल शांति पुरस्कार को प्राप्त करने की आकांक्षा रखते हैं,या कम-से-कम इसके लिए नामित होना चाहते हैं। इस खंड में मैं उनके उस सपने की सम्भाव्यता, उसकी रणनीति, चुनौतियाँ और समाज- राजनीति में इसके असर को समझने की कोशिश करूँगा। सोमवार, 13 अक्टूबर 2025, अर्थशास्त्र पुरस्कार की घोषणा, विजेताओं को इस घोषणा के बाद दिसंबर में स्टॉकहोम में पुरस्कार ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया जाएगा। इस दिन के बाद नोबेल सप्ताह की घोषणाएँ समाप्त होती हैं और अगले महीनों में पुरस्कार वितरण, संवाद एवं समारोहों की व्यवस्था होती हैं नोबेल पुरस्कार वितरण समारोह 10 दिसंबर को होता है,यह दिन अल्फ्रेड नोबेल के निधन की वर्षगांठ है। शांति पुरस्कार विजेता के लिए यह समारोह ओस्लो, नॉर्वे में आयोजित होता है, जबकि अन्य पुरस्कारों (चिकित्सा, भौतिकी, रसायन, साहित्य, अर्थशास्त्र) का समारोह स्टॉकहोम, स्वीडन में होता है। विजेता को सोने की पदक, प्रमाणपत्र,और निधि राशि दी जाती है।पुरस्कार राशि समय-समय परपरिवर्तित होती है।

साथियों बात अगर हम पूरे विश्व की जिस पुरस्कार पर नजरें लगी हुई है, नोबेल शांति पुरस्कार- क्या ट्रम्प को मिलने की संभावना ? इसको समझने की करें तो, नोबेल शांति पुरस्कार दुनियाँ भर में राजनीति, मानवाधिकार और संघर्ष- समाधान की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील और विवादास्पद माना जाता है।जब किसी सक्रिय राजनीतिक नेता (जैसे कि ट्रम्प) को इसके लिए प्रस्तावित या संभावित रूप से विजेता माना जाता है, तो उसके प्रति विश्व की निगाहें तीव्र हो जाती हैं, आलोचना, समर्थन और राजनीतिक-रणनीति सभी एकसाथ होती हैं।

साथियों बात अगर हम ट्रम्प को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने की संभावनाएं अपेक्षाएँ और चुनौतियाँ की करें तो समर्थक तर्क- (1)मध्यस्थता और संघर्ष समाधान-ट्रम्प समर्थकों का तर्क है कि उन्होंने मध्य पूर्व, भारत- पाकिस्तान, इजरायल-इरान, और अन्य क्षेत्रों में कुछ कूटनीतिक एवं मध्यस्थता पहल की हैं,जो उन्हें शांति- निर्माता के रूप में पेश करती हैं।

परिवारवाद लोकतंत्र के लिए घातक

कांतिलाल मांडोत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारणी में परिवारवाद के विरुद्ध चेतावनी पूर्ण अपील की और अपनी पार्टी के लोगों से कहा था कि वे अपने परिजनों को टिकट देने का दबाव न बनाएं। यह अपील कितनी सफल हुई या भविष्य में होगी, यह कहना फ़िलहाल कठिन है, परन्तु बतौर प्रधानमंत्री उनकी अपील से देशव्यापी संदेश गया था।परिवारवादी सबसे ज्यादा नुकसान देश के युवाओ को करते है।क्योकि परिवारवादी युवाओ को मौका देने में दिलचस्पी नही रखते है।देश मे प्राकटय कई उदाहरण हमारे समक्ष है।परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति ने देश का विकास अवरुद्ध किया है।देश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण घटक के रूप में शुद्ध राजनीति ही देशहित में विकसित भारत की ओर ले जाती है।बिहार और उत्तरप्रदेश में हम देख रहे है कि परिवारवादी लोग सत्ता हथियाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे है।

हम लोहियावादी समाजवादी लोग न जाने कब से परिवारवाद के खिलाफ संघर्ष करते रहे हैं। परिवारवाद के खिलाफ मुखर रहे हैं और उनके परिवारवाद के विरुद्ध छेड़े गए अभियान को अभी भी कांग्रेस नेहरु परिवार के लोग भूले नहीं हैं। परिवारवाद लोकतंत्र की भावना के प्रतिकूल है, क्योंकि लोकतंत्र व्यक्ति को उसकी योग्यता के अनुसार अवसर देने की व्यवस्था है।मुलायमसिंह को घेरते हुए सोनिया गांधी ने उन पर निशाना साधा था कि मुलायमसिंह नकली परिवारवाद चलाते है।लेकिन निशाना साधने वाले भूल गए थें कि असली परिवारवादी तो कांग्रेस है। जबकि परिवारवाद जन्म सामंतवाद है। जिसमें योग्यता और योग्यता के लिए केवल सत्ताधारी दल या नेता ही नहीं बल्कि कुछ अर्थों में वे मतदाता और राजनीतिक कार्यकर्ता भी गुनहगार है जो परिवारवाद की सता कायम रखते हैं।

भारत की राजनीति में परिवारवाद का बढ़ना ठीक नही है।परिवारवाद की स्थिति मजबूत होगी।उतना ही लोकतंत्र कमजोर होगा।हम देख रहे है कि कांग्रेस ने दशकों तक देश की सत्ता गांधी परिवार के हाथ मे रही थी।सता परिवर्तन होते ही देश विकाशशील से विकसित अवधारणा की तरफ आगे बढ़ता जा रहा है और विश्व की तीसरी महासत्ता बनने की पूर्ण तैयारी में है।लोकतांत्रिक शासन पद्धति में परिवारवाद का शासन बना लेना अशुभ संकेत है।बिहार ही नही,उतरप्रदेश, पश्चिम बंगाल,झारखंड और अन्य राज्यो में भी देखा जा सकता है कि शासन की बागडोर थाम चुके नेता आमलोगों की जगह अपने परिवार को जगह दे देते है।

परिवारवाद एक रूप में दलीय लोकतंत्र को समाप्त करता है तथा कार्यकर्ताओं को बंधुआ मजदूर जैसा बना देता है। नेता और नेता का परिवार सत्ता और संपन्नता पर एकाधिकार कायम कर लेता है। सत्ता के सहारे नेता सक्ति और धन का संचय करते है। उसका केंद्रीयकरण करते हैं और उसके टुकड़े या बूंदे कार्यकर्ताओं को बांटकर उन्हें नारे लगाने वाले गुलाम बना देते हैं। उनकी योग्यता,आत्मा और योग्यता को स्थाई रूप से मार देते है, तथा उन्हें भ्रटाचार का अनन्त सहयोगी बना देते हैं।

कांग्रेस यह समझती है कि परिवारवाद भारत का सांस्कृतिक हिस्सा है तो यह देश की जनता पर जुल्म ढहाने जैसा है। कांग्रेस के दिग्गज नेता यह भी कहते सुने है कि सभी क्षेत्रों में परिवार की विरासत होती है तो राजनीति में क्यों?यह भारत का संविधान कहता है कि लोकतंत्र में सत्ता और शासन में सबका अधिकार है।और बराबर का है।

सत्ता में रहते हुए कांग्रेस ने सम्मान देना चाहिए था पर उसने नही दिया।

हमारे देश में पक्ष-विपक्ष को नकारात्मक राजनीति ने सार्थक बहस, संवाद और कर्म के अवसर धूमिल कर दिये हैं। परन्तु जो मित्र भाजपा के वर्तमान परिवारवाद के उदाहरण देकर उनकी बात पर या मोदी की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह लगाते है उन्हें इतना तो महसूस करना ही चाहिए कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने तक वे केवल उनकी पार्टी के प्रधानमंत्री के प्रत्यासी और विकाऊ चहरे थे जिन्हें शायद इसलिए उम्मीदवार बनाया गया था कि भाजपा के अन्य वरिष्ठ जनों की तुलना में वे ज्यादा वोट ला सकते थे। उस समय वे दूसरों के हाथ के नियंत्रण में थे, पर अब सर्वोच्च पदप्रधानमंत्री के पद पर पहुंच कर उनके पास कुछ करने की शक्ति है। परिवारवाद के मुददे पर उनकी नीयत पर विश्वास करने के कुछ ठोस करण भी हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद उनके परिवार का कोई व्यक्ति उस सत्ता चक्र में प्रवेश नहीं कर सका और निजी तौर पर उन्होंने परिवारवाद के ऊपर अपने आप को सिद्ध किया है। दरअसल, मोदी का परिवार अपने अपने धंधे में लगा हुआ है।दूसरे और तीसरे मंत्रिमंडल गठन मेंभी उन्होंने इन लोगों को अवसर नहीं दिया, क्योंकि वे लोग परिवारवाद की पैदाइश थे। मोदी ने भाजपा में परिवारवाद को पूरी तौर पर समाप्त कर दिया है, और शायद उसे पूर्णतः समाप्त करना एकदम किसी के लिए भी संभव नहीं होता है। परन्तु उन्होंने यह संकेत अवश्य दिया था कि वह परिवारवाद के हक में नहीं है।

कांग्रेस के परिवारवाद के शीर्ष से होकर नीचे फैला और भाजपा में परिवारवाद नीचे को और से ऊपर फैलने की प्रक्रिया में था। कुछ संघ के संगठन के स्वभाव और ढांचे, व प्रधानमंत्री मोदी के विचार और तरीके के चलते परिवारवाद को रोकने की शुरुआत हुई थी।लेकिन जो अभी भी वर्तमान में परिवारवादी बैठे है।उनको चिंतन की जरूरत नही है?

संघ परिवारवाद की परम्परा का हामी नहीं है। सत्ता पाने या सत्ता हथियाने की इच्छाएं तो हैं, परंतु सत्ता संगठन समूह में अभी तक इस प्रकार का परिवारवाद नजर नहीं आया है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 से एक बड़ी लकीर खिंची थी जिससे अन्य बड़े राजनीतिक दलों के समक्ष एक चुनौती खड़ी हुई थी।

दैनिक
पथ प्रवाह
हरिद्वार, गुरूवार 09 अक्टूबर 2025

वन डिस्ट्रिक्ट-वन रिवर मॉडल पर काम, 2468.55 लाख की कार्य योजनाओं को स्वीकृति

पथ प्रवाह, देहरादून, 08 अक्टूबर

सचिवालय स्थित वीर चंद्र सिंह गढ़वाली सभागार में बुधवार को स्प्रिंग एंड रिवर रिजुविनेशन अथॉरिटी की राज्य स्तरीय कार्यकारी समिति की बैठक सचिव जलागम एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिलीप जावलकर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जल संरक्षण और नदी पुनर्जीवन से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा के साथ 2468.55 लाख रुपये की आठ नई कार्य योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। इनमें से 1861.16 लाख रुपये की धनराशि एसएआरआरए द्वारा वहन की जाएगी। श्री जावलकर ने सभी जनपदों को वन डिस्ट्रिक्ट, वन रिवर के सिद्धांत पर आधारित कार्ययोजनाएँ तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जनपद अपनी प्रमुख या संकटग्रस्त नदी की पहचान कर उसके कैचमेंट क्षेत्र में जल स्रोतों के पुनर्जीवन और संचयन कार्यों को प्रभावी रूप से लागू करे।

स्थानीय भागीदारी पर विशेष बल

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि जल संरक्षण कार्यों में स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। ग्राम पंचायत स्तर पर धारा-नौला संरक्षण समितियों के गठन के निर्देश दिए गए, जिन्हें स्न्रक्र वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने पारंपरिक धारों और नौलों की ऐतिहासिक व सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखते हुए उनके पुनर्जीविकरण पर बल दिया तथा स्थानीय स्तर पर पैराहाइड्रोलॉजिस्टों की तैनाती के निर्देश दिए ताकि रोजगार सृजन भी हो सके।

स्थायी अनुबंध और समन्वित प्रयास

बैठक में स्न्रक्र से जुड़ी कार्यदायी संस्थाओं के साथ स्थायी अनुबंध (Permanent MoUs) करने का निर्णय लिया गया। श्री जावलकर ने कहा कि जल स्रोतों और जल निकायों के पुनर्जीवन से संबंधित सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि विभिन्न कार्ययोजनाओं के अंतर्गत निर्मित RCC चेक डैमों की वर्षा काल के बाद स्थिति का मूल्यांकन किया जाए। उन्होंने सभी कार्यक्षेत्रों में ईको-फ्रेंडली संरचनाओं के निर्माण पर बल देते हुए कहा कि संबंधित विभाग, शैक्षणिक व तकनीकी संस्थान, जनप्रतिनिधि और स्थानीय जनता को प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं के माध्यम से जोड़ा जाए, ताकि जल संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप दिया जा सके।

आठ कार्ययोजनाओं का विस्तृत प्रस्तुतीकरण

बैठक में अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती कहकशां नसीम ने एक करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली आठ कार्ययोजनाओं का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। इनमें पौड़ी जिले की तीन, नैनीताल की दो, चंपावत की एक और पिथौरागढ़ जिले की दो योजनाएँ शामिल हैं। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक डॉ. एके. डिमरी, परियोजना निदेशक कुमाऊँ डॉ.एस के. उपाध्याय, परियोजना निदेशक गढ़वाल डॉ.एन एस. बर्फाल, एनआईएच, आईआईटी रूड़की, केंद्रीय भूजल बोर्ड, मुख्य विकास अधिकारी, प्रभागीय वनाधिकारी, सिंचाई, लघु सिंचाई, कृषि, ग्राम विकास विभागों के अधिकारी तथा विभिन्न एनजीओ प्रतिनिधि ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे। बैठक में SARRA की राज्य स्तरीय टीम भी उपस्थित रही।

हरिद्वार परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की संयुक्त पहल : बिना हेलमेट नहीं मिलेगा पैट्रोल

पथ प्रवाह, हरिद्वार, 08 अक्टूबर 2025। सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मृत्यु दर को कम करने और नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग हरिद्वार ने ÷नो हेलमेट, नो पेट्रोल / हृश ॥द्दद्यद्वद्दह्, हृश स्नह्वद्दद्य÷ अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान का उद्देश्य दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने की आदत के प्रति प्रेरित करना और सड़क सुरक्षा को जन-आंदोलन का रूप देना है।

अभियान के तहत आज परिवहन विभाग की टीम ने यातायात पुलिस हरिद्वार के सहयोग से शहर के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इस दौरान पेट्रोल पंप संचालकों, कर्मचारियों और ईंधन भराने पहुंचे नागरिकों को हेलमेट पहनने के महत्व से अवगत कराया गया। पेट्रोल पंप परिसरों में ÷नो हेलमेट, नो पेट्रोल÷ के बैनर और पोस्टर लगाए गए ताकि अधिक से अधिक लोग इस संदेश को आत्मसात कर सकें। परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अब कोई भी दोपहिया वाहन चालक या पीछे बैठा व्यक्ति (पिलियन राइडर) बिना हेलमेट पेट्रोल, डीज़ल या सीएनजी नहीं भरवा सकेगा। पेट्रोल पंपों को निर्देश दिए गए हैं कि बिना हेलमेट आए वाहन चालकों को किसी प्रकार की ईंधन सेवा न दी जाए। यातायात निरीक्षक हितेश कुमार ने बताया कि यह पहल सड़क सुरक्षा को मजबूत करने, सिर-मस्तिष्क की चोटों को रोकने और सुरक्षित राइडिंग की संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। नागरिकों से अपील की कि वे अपनी सुरक्षा को सर्वोपरि रखें और हर यात्रा से पहले हेलमेट पहनना सुनिश्चित करें।

उत्तराखंड के युवाओं के लिए खुलेंगे विदेशों में रोजगार के द्वार: मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन

पथ प्रवाह, देहरादून, 08 अक्टूबर

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने बुधवार को सचिवालय में कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि उत्तराखंड के युवाओं को रोजगार की वैश्विक उड़ान के लिए तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि अब राज्य के युवा न केवल प्रदेश या देश में, बल्कि विदेशों में भी अपनी प्रतिभा का परचम लहराएंगे। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि ओवरसीज एम्प्लॉयमेंट सेल और पैनलबद्ध भर्ती एजेंसियों के माध्यम से युवाओं को विदेशों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में स्किल गैप असेसमेंट कराया जाए ताकि युवाओं की वास्तविक कौशल आवश्यकताओं की पहचान की जा सके और उसी अनुरूप प्रशिक्षण योजनाएं तैयार की जाएं। बर्द्धन ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नर्सिंग, टूर गाइडिंग और वाइल्ड लाइफ गाइड जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाए, क्योंकि इन क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने युवाओं की हैंड होल्डिंग और इंटेंसिव ट्रेनिंग पर विशेष बल देते हुए कहा कि विदेशों में नौकरी करने वाले अभ्यर्थियों को विदेशी भाषा और व्यवहारिक बातचीत का प्रशिक्षण अनिवार्य रूप से दिया जाए, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय कार्य संस्कृति में सहजता से काम कर सकें। मुख्य सचिव ने यह भी सुझाव दिया कि विभाग विदेशों में रोजगार उपलब्ध कराने का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित करे, जिससे अधिक से अधिक युवाओं को लाभ मिल सके और उत्तराखंड रोजगार सृजन के नए मानक स्थापित करे। बैठक में सचिव सी. रविशंकर ने जानकारी दी कि विभाग द्वारा ओवरसीज एम्प्लॉयमेंट सेल का गठन किया जा चुका है। अब तक 63 युवाओं को जापान और सऊदी अरब में प्रशिक्षण व रोजगार प्रदान किया गया है। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से 351 युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें से 315 युवाओं को सफलतापूर्वक प्लेसमेंट मिला है। वर्तमान में 169 युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। बैठक में सचिव सी. रविशंकर सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत की प्राथमिक विद्यालयों में 2100 नई नियुक्ति को हरी झंडी

पथ प्रवाह, देहरादून, 08 अक्टूबर। राज्य सरकार ने प्रदेश के प्राथमिक शिक्षा ढांचे को और मजबूत बनाने के लिए राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में 2100 रिक्त सहायक अध्यापक पदों पर शीघ्र भर्ती कराने का निर्णय लिया है। शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को भर्ती प्रक्रिया जल्द आरंभ करने और इसे समयबद्ध पूरा करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

डॉ. रावत की समीक्षा बैठक में दिए अहम निर्देश

शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने अपने शासकीय आवास पर विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि सरकार लगातार प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में नियुक्तियों की प्रक्रिया को तेज कर रही है। पिछले दो वर्षों में 3000 से अधिक रिक्त पद भरे जा चुके हैं। एनआईओएस डीएलएड प्रशिक्षुओं को शामिल करने को लेकर न्यायालय में लंबित मामलों के बाद अब सुप्रीम कोर्ट और राज्य कैबिनेट के निर्देशानुसार नियमावली में संशोधन किया गया है। वर्ष 2017 से 2019 तक के प्रशिक्षुओं और सहायक अध्यापक (विशेष शिक्षा) के पदों को भी भर्ती प्रक्रिया में शामिल किया गया है।

जिला स्तर से होगी भर्ती प्रक्रिया

डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि प्राथमिक शिक्षक भर्ती जिला संवर्ग के आधार पर होगी, जिससे भर्ती प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और समयबद्ध हो सके। सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि रिक्त पदों की शतप्रतिशत नियुक्ति सुनिश्चित करें।

शिक्षकों की व्यवस्थाओं और आपदा सुधार कार्यों पर जोर

बैठक में शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को अन्य महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए। शिक्षकों का त्रिस्तरीय ढांचा तैयार करना। आपदा से क्षतिग्रस्त विद्यालयों के पुनर्निर्माण और मरम्मत कार्यों का शीघ्र आंगणन तैयार करना। धारा-27 के अंतर्गत शिक्षकों के स्थानांतरण में तेजी लाना।

बैठक में वरिष्ठ अधिकारी भी रहे मौजूद

बैठक में महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा दीप्ति सिंह, निदेशक एससीईआरटी वंदना गर्ब्याल, निदेशक प्राथमिक शिक्षा अजय नौडियाल, निदेशक माध्यमिक शिक्षा डॉ. मुकुल कुमार सती सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नाबार्ड का 'सेब महोत्सव 2.0'- कृषकों को सीधे ग्राहकों से जुड़ने का मंच, हर्षिल और कपकोट के उत्पाद प्रदर्शित होंगे

पथ प्रवाह, देहरादून, 8 अक्टूबर। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने उत्तराखंड में सीमांत और लघु कृषकों को उनके उत्पाद सीधे ग्राहकों तक पहुँचाने के उद्देश्य से 'सेब महोत्सव 2.0' का आयोजित करने का निर्णय किया है। पिछले वर्ष आयोजित 'सेब महोत्सव 1.0' की सफलता को देखते हुए यह महोत्सव 9 और 10 अक्टूबर 2025 को नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय, आईटी पार्क, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून में संपन्न होगा। नाबार्ड ने राज्य के कृषक उत्पादक संगठनों और स्वयं सहायता समूहों के संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया है। महोत्सव में हर्षिल घाटी के कृषक उत्पादक संगठन द्वारा उत्पादित 'ए' ग्रेड के रॉयल डिलीशियस, रेड डिलीशियस और गोल्डन डिलीशियस सेब, कपकोट के किसानों द्वारा प्राकृतिक विधि से उत्पादित कीवी फल, और अन्य उत्तम पहाड़ी उत्पाद जैसे अखरोट, राजमा, जीआई टेग्ड उत्पाद, जूस, अचार, हथकरघा उत्पाद, जड़ी-बूटियाँ आदि खरीद के लिए उपलब्ध रहेंगे।

वेद मंत्रों के साथ शुरू हुआ सैनिक दीपावली मेला, डीएम प्रशांत आर्य ने किया शुभारंभ

पथ प्रवाह, संवाददाता, उत्तरकाशी।

विश्वनाथ पूर्व सैनिक कल्याण समिति उत्तरकाशी के तत्वावधान में सैनिक दीपावली मेले का भव्य शुभारंभ बुधवार को आजाद मैदान में हुआ। मेले का उद्घाटन जिलाधिकारी प्रशांत आर्य और नगरपालिका अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौहान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर कंडार देवता हरी महाराज की देव डोली और ढोल-दमाऊ की गूंज ने पूरा वातावरण देशभक्ति और आस्था के रंग में रंग दिया।

सैनिक मेला वेद मंत्रों के साथ विधि-विधानपूर्वक आरंभ हुआ। उद्घाटन के समय समिति के संरक्षक, पदाधिकारी, बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, नगरवासी, विद्यार्थी और युवा उपस्थित रहे। देव डोलियों की उपस्थिति में हुए इस शुभारंभ ने मेले को आध्यात्मिक गरिमा और सांस्कृतिक पहचान से जोड़ दिया।

इस अवसर पर 'रन फॉर आर्मी' प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौड़ का आयोजन 28 सितंबर को किया गया था, जिसका उद्देश्य युवाओं और विद्यार्थियों में भारतीय सेना के प्रति अनुशासन, देशसेवा और जागरूकता की भावना को जागृत करना था। दौड़ को पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। विजेताओं को स्मृति चिन्ह और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने कहा कि पूर्व सैनिकों का जीवन अनुशासन, त्याग और सेवा का प्रतीक है। जिस भावना से वे देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं, वही भावना समाज में एकता और राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देती है। नगरपालिका अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि सैनिक दीपावली मेला वीरता, संस्कार और समाजिक एकता का प्रतीक है। यह आयोजन हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्र की शक्ति केवल सीमा पर नहीं, बल्कि जन-जन के सहयोग और सम्मान में निहित है। उत्तरकाशी की धरती पर यह मेला देशभक्ति की भावना को जीवंत रखता है। मेले में स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, झूले, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, फूड स्टॉल्स और सैनिक सम्मान से जुड़ी प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। मेला परिसर में सैनिकों की वीरता, बलिदान और इतिहास से जुड़ी झांकियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

समिति ने घोषणा की कि सैनिक दीपावली मेला 14 अक्टूबर तक चलेगा। मेले के अंतिम दिन दोपहर 2ः00 बजे के बाद लकी ड्रॉ कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें अनेक आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। इसके साथ ही वीरांगनाओं और वीर नारियों का विशेष सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा।

समिति के संरक्षक मेजर आर.एस. जमनाल (सेनि.), अध्यक्ष सूबेदार मेजर बिरेंद्र सिंह नेगी, कोषाध्यक्ष सूबेदार धनपाल सिंह, सचिव हवलदार बलबीर सिंह, मीडिया प्रभारी हवलदार गोपेश्वर प्रसाद भट्ट, सूबेदार हिकमत सिंह, जगत सिंह, सूरवीर सिंह, भरत सिंह, कप्तान कलम सिंह, बलदेव सिंह, मुरारी सिंह पोखरियाल, इंदर मणि आदि उपस्थित रहे।

करवा चौथ की थालियों पर झलकी उत्तरकाशी की लोककला

पथ प्रवाह,संवाददाता- ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। करवा चौथ के पावन पर्व पर उत्तरकाशी बाजार इस बार कुछ अलग ही रंगों में रंगा है। जहां सहारनपुर और दिल्ली से बनी सजावटी थालियां बाजार में पहुंच रही हैं, वहीं उत्तरकाशी नगर में पहली बार स्थानीय स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने अपनी कला और मेहनत से करवा चौथ की थालियों को सजाया है। इन हस्तनिर्मित थालियों पर रंग-बिरंगी पेंटिंग और पारंपरिक डिज़ाइन लोगों को खूब आकर्षित कर रही हैं।

इन थालियों को बाजार तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं पवित्र बाल वाटिका के प्रबंधक अजय प्रकाश बडोला, जिन्होंने अपनी दुकान बडोला गिफ्ट सेंटर में इन थालियों को स्थान देकर स्थानीय महिलाओं के उत्साह को नई उड़ान दी है। उन्होंने बताया कि जनपद में जो भी स्वयं सहायता समूह की बहनें करवा चौथ या दीपावली जैसे पर्वों पर हस्तनिर्मित वस्तुएं तैयार करती हैं, वे सभी उत्पाद उनकी दुकान पर रखे जाएंगे ताकि उन्हें उचित बाजार और सम्मान दोनों मिल सकें।

अजय बडोला ने कहा कि सरकार केवल समूह बनाकर रुक जाती है, लेकिन यदि उन्हें स्थायी बाजार नहीं मिलेगा तो आत्मनिर्भरता अधूरी रह जाएगी। मेरा प्रयास यही है कि उत्तरकाशी की महिलाएं अपने हुनर से आर्थिक रूप से मजबूत बनें।

इससे पहले भी उन्होंने स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार अरसा, रोटाना, गाय के गोबर से बनी धूप जैसी वस्तुओं को अपनी दुकान में बिक्री के लिए रखा था, जिससे महिलाओं को अतिरिक्त आय और आत्मविश्वास दोनों प्राप्त हुआ।

इस पहल की सराहना उत्तरकाशी की सामाजिक कार्यकर्ता निकिता, काजल, गीता, अर्चना और मुरारी नेगी सहित कई महिलाओं ने की है। उनका कहना है कि अजय बडोला जैसे व्यापारी ही 'वोकल फॉर लोकल' की सच्ची भावना को जमीनी रूप दे रहे हैं।

इस वर्ष बाजार में सजी इन सुंदर हस्तनिर्मित करवा चौथ की थालियों की कीमत ?750 से 1000 तक है और महिलाएं इन्हें बड़ी उत्सुकता से खरीद रही हैं।

करवा चौथ की पौराणिक महिमा और मुख्य कथा

करवा चौथ का पर्व भारतीय नारी की निष्ठा, प्रेम और समर्पण का प्रतीक माना जाता है। यह व्रत प्राचीन काल से सुहागिन स्त्रियों द्वारा अपने पति की दीर्घायु और सौभाग्य के लिए किया जाता आ रहा है। इस पर्व से जुड़ी कई पौराणिक कथाएं हैं, जिनमें सबसे प्रसिद्ध कथा वीरवती की मानी जाती है।

कहा जाता है कि एक राजा की सात पुत्रियाँ और एक सबसे छोटी पुत्री वीरवती थी। जब वीरवती का विवाह हुआ, तो वह अपने पति की लंबी आयु की कामना के लिए करवा चौथ का व्रत रखती थी। वह पूरे दिन निर्जल उपवास रखती रही, लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतता गया, वह भूख और प्यास से अत्यधिक कमजोर हो गई। अपनी बहन की यह दशा देखकर उसके भाइयों को दया आ गई। उन्होंने पेड़ पर एक दीपक जलाकर छल से ऐसा भ्रम पैदा किया जैसे चंद्रमा निकल आया हो। वीरवती ने भाइयों की बात मानकर चंद्रमा का दर्शन किए बिना ही व्रत तोड़ दिया। जैसे ही उसने व्रत तोड़ा, उसके पति की मृत्यु का समाचार आ गया। यह सुनकर वह बिलखती हुई देवी पार्वती की शरण में गई। देवी पार्वती ने उसे करवा चौथ का व्रत पूरे विधि-विधान से पुनः करने का आशीर्वाद दिया। वीरवती ने अगले वर्ष श्रद्धा और नियम से व्रत रखा, जिससे उसके पति को पुनः जीवन प्राप्त हुआ।

तब से यह परंपरा चली आ रही है कि हर वर्ष कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को सुहागिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और सौभाग्य के लिए निर्जल व्रत रखती हैं। इस व्रत में मिट्टी के करवे का विशेष महत्व है, जिसमें जल भरकर पूजा की जाती है।

इस दिन सोलह श्रृंगार से सजी महिलाएं चंद्रमा के उदय के बाद अर्घ्य देकर व्रत पारायण करती हैं। इस व्रत से न केवल पारिवारिक प्रेम और विश्वास गहरा होता है, बल्कि यह स्त्री शक्ति के त्याग, समर्पण और आस्था का प्रतीक भी बन चुका है।

उत्तरकाशी में इस वर्ष इन पूजा थालियों का स्थानीय निर्माण पारंपरिक आस्था को नई दिशा दे रहा है। अब करवा चौथ केवल पति-पत्नी के प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि महिला आत्मनिर्भरता और लोककला के पुनर्जागरण का पर्व बन गया है।

प्रतिबन्धित कांजल-काठ की लकड़ी की तस्करी का भंडाफोड़, पुलिस ने 597 नग लकड़ी सहित दो तस्कर दबोचे

पथ प्रवाह, संवाददाता, उत्तरकाशी।

डुण्डा पुलिस ने तड़के सुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबन्धित कांजल-काठ की तस्करी का खुलासा किया है। पुलिस ने वाहन संख्या च 10ष्ट 1427 (यूटिलिटी) से 597 नग लकड़ी बरामद करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया। पकड़ी गई लकड़ी की कीमत लाखों में बताई जा रही है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी सरिता डोबाल के निर्देशन, पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी जनक सिंह पंवार के पर्यवेक्षण तथा एसएचओ कोतवाली उत्तरकाशी भावना कैंथोला के नेतृत्व में की गई।

प्रभारी चौकी डुण्डा प्रकाश राणा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बुधवार सुबह लगभग 6ः30 बजे डुण्डा बैरियर पर चेकिंग अभियान चलाया। इसी दौरान यूटिलिटी वाहन को रोककर जांच की गई तो उसमें से प्रतिबन्धित कांजल-काठ की लकड़ी बरामद हुई। पूछताछ में पता चला कि गोपाल बोहरा निवासी नेपाल (हॉल मोजांग, त्यूणी देहरादून) और विजय निवासी गंगोरी, उत्तरकाशी, इस लकड़ी को गंगोरी-अगोडा के जंगलों से इकट्ठा कर देहरादून व सहारनपुर ले जाने की फिराक में थे। पुलिस ने तत्काल दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर वाहन और लकड़ी को जब्त कर लिया। इसके बाद विधिक कार्रवाई हेतु लकड़ी सहित मामला वन विभाग को सौंप दिया गया।

कांजल-काठ की लकड़ी उच्च हिमालय के आरक्षित वनों में पाई जाती है और औषधीय दृष्टि से अत्यंत मूल्यवान मानी जाती है। बौद्ध समुदाय के लोग इस लकड़ी से बने बाउल (बर्तन) का उपयोग खाद्य व पेय पदार्थों के लिए करते हैं।

भारत, चीन, तिब्बत और नेपाल में इस लकड़ी की भारी मांग है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी अवैध तस्करी का नेटवर्क सक्रिय रहता है।

तस्करों के नाम व पते

1. गोपाल बोहरा, पुत्र चन्द्र सिंह बोहरा, निवासी ग्राम डोली, थाना कंचनपुर, जिला कंचनपुर (नेपाल), वर्तमान निवास मोजांग, त्यूणी, देहरादून, उम्र 39 वर्ष।

2. विजय, पुत्र प्रेमलाल, निवासी नाल्ड, गंगोरी, भटवाडी, उत्तरकाशी, उम्र 35 वर्ष (वाहन चालक)।

पुलिस टीमः उप निरीक्षक प्रकाश राणा, प्रभारी चौकी डुण्डा, कांस्टेबल राजेन्द्र गोस्वामी, कांस्टेबल अनिल नौटियाल, पीआरडी कृति

मनेरा एक्सपीडिशन हॉस्टल में शुरू हुआ 10 दिवसीय निशुल्क एडवेंचर प्रशिक्षण युवाओं को मिल रहा साहसिक पर्यटन का गुर

पथ प्रवाह, संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। पर्यटन विभाग के तत्वावधान में रविवार से मनेरा स्थित एक्सपीडिशन हॉस्टल में 10 दिवसीय निशुल्क एडवेंचर फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में साहसिक पर्यटन के प्रति रुचि बढ़ाना तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। प्रशिक्षण में इस बार 30 प्रशिक्षणार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं जिन्हें बेसिक, एडवांस एवं मेथड ऑफ इंस्ट्रक्शन कोर्स की जानकारी दी जा रही है।

जिला पर्यटन विकास अधिकारी के.के. जोशी ने बताया कि इस प्रशिक्षण के लिए पर्यटन विभाग को अभूतपूर्व उत्साह मिला है। विभाग को 50 ऑनलाइन और 300 ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से चयनित युवाओं को यह प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ट्रैकिंग, रॉक क्लाइंबिंग, माउंटेनियरिंग तथा पर्वतारोहण उपकरणों के संचालन से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है।

जोशी ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को आपदा प्रबंधन, उच्च हिमालयी क्षेत्रों में प्राथमिक चिकित्सा एवं अग्नि सुरक्षा से संबंधित आवश्यक तकनीकी जानकारियां भी दी जा रही हैं, जिससे वे आपात स्थितियों में भी दक्षता से कार्य कर सकें।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के एडवेंचर प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्षभर चलते रहेंगे, जिससे उत्तरकाशी जनपद के युवाओं को रोजगार एवं पर्वतीय पर्यटन क्षेत्र में नए अवसर प्राप्त होंगे। पर्यटन विभाग का लक्ष्य स्थानीय युवाओं को न केवल प्रशिक्षित करना बल्कि उन्हें गाइडिंग, ट्रैकिंग और माउंटेन स्पोर्ट्स के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। जिला पर्यटन अधिकारी ने बताया कि निकट भविष्य में मोरी क्षेत्र के खरसाड़ी स्थित एक्सपीडिशन हॉस्टल में भी इसी प्रकार का निशुल्क एडवेंचर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों के युवाओं को भी समान अवसर मिल सके।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की मुलाकात, उत्तराखण्ड में रेल अवसंरचना विकास की चर्चा

पथ प्रवाह, नई दिल्ली, 08 अक्टूबर

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से महत्वपूर्ण शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच उत्तराखण्ड में रेल अवसंरचना के विकास को गति देने और यात्रियों को बेहतर सेवाएँ उपलब्ध कराने पर विस्तृत चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से देहरादून और हरिद्वार रेलवे स्टेशनों को आदर्श रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने केंद्रीय रेल मंत्री से अनुरोध किया कि इन दोनों स्टेशनों के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ हरिद्वार-देहरादून रेल लाइन का दोहरीकरण केन्द्र सरकार द्वारा पूर्ण व्ययभार वहन करते हुए किया जाए। केंद्रीय मंत्री ने आदर्श रेलवे स्टेशन बनाने की प्रक्रिया के लिए सहमति जताई और दोहरीकरण के कार्य पर परीक्षण कर उचित निर्णय लेने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने टनकपुर-बागेश्वर रेल परियोजना के संदर्भ में भी विचार विमर्श किया। उन्होंने इस परियोजना के संरेखण में अल्मोड़ा और सोमेश्वर क्षेत्रों को जोड़ने की संभावनाओं और साथ ही टनल निर्माण के साथ सड़क प्रावधान करने के विकल्प पर ध्यान देने का अनुरोध किया। केंद्रीय रेल मंत्री ने इस पर विचार करने का आश्वासन दिया।

इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश के पुराने रेलवे स्टेशन को पूर्णतः बंद करने और इस भूमि के सभी अधिकार राज्य सरकार को हस्तांतरित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि पुराने स्टेशन के बंद होने से यदि योग नगरी रेलवे स्टेशन पर संचालन के लिए अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता होगी तो राज्य सरकार इस पर सकारात्मक विचार और सहयोग करेगी। केंद्रीय रेल मंत्री ने इस पर सैद्धांतिक सहमति व्यक्त की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के बीच एक और महत्वपूर्ण निर्णय यह हुआ कि देहरादून-टनकपुर वीकली ट्रेन को सप्ताह में तीन बार चलाने की व्यवस्था पर भी सहमति दी गई।

इस बैठक के बाद मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह पहल राज्य के रेल नेटवर्क को और मजबूत करेगी तथा यात्रियों को सुविधा और सुरक्षित यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी।

एक नजर

छात्र—छात्राओं को नशे के प्रति किया जागरूक

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। प्रभारी कोतवाली बेरीनाग हरीश सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज, राई आगर बेरीनाग में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं एवं विद्यालय स्टाफ को साइबर क्राइम और नशे की रोकथाम को लेकर जागरूक किया गया। पुलिस टीम ने बताया कि नशे के क्या दुष्परिणाम है। साथ साइबर क्राइम से कैसे बचा जाए इसके बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। यातायात नियमों की जानकारी एवं उनके पालन का महत्व भी बताया। जनहित हेतु प्रचलित विभिन्न पोर्टल (जैसे सिटीजन पोर्टल, उत्तराखण्ड पुलिस एप, साइबर क्राइम पोर्टल आदि के अलावा आपातकालीन महत्वपूर्ण नंबरों 112 और 1930 के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य भगवती प्रसाद पंत सहित समस्त विद्यालय स्टाफ एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

'मां इन्द्राक्षी मत्स्य सहेली आउटलेट' का जिलाधिकारी ने फीता काटकर किया शुभारंभ

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अन्तर्गत ÷मत्स्य सहेली÷ के क्रियान्वयन के लिए महिलाओं की स्वायत्त सहकारिता का गठन कर नगर निगम क्षेत्र में ÷मां इन्द्राक्षी मत्स्य सहेली आउटलेट÷ का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी एवं नगर निगम मेयर कल्पना देवलाल ने फीता काटकर इसका विधिवत उद्घाटन किया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को मछली से बने विभिन्न उत्पादों का प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है। सहकारी समिति के माध्यम से महिलाएं फिश आचार, फिश मोमो, फिश पापड़, फिश बॉल्स, फिश फिंगर, फिश कटलेट आदि तैयार कर इन्हें स्थानीय बाजार में बेचेंगी। साथ ही, स्थानीय स्तर परडिग्रेड उत्पादित ताजी मछलियों की बिक्री भी आउटलेट के माध्यम से की जाएगी। अक्सर देखा गया है कि मछली पालन का कार्य पुरुषों द्वारा किया जाता है, लेकिन अब उनकी तैयार की गई मछली को महिलाओं की सहकारी समिति के माध्यम से बाजार उपलब्ध कराया जाएगा। इससे न केवल ग्रामीण क्षेत्र के पुरुषों को उनकी फसल का उचित मूल्य मिलेगा, बल्कि स्थानीय महिलाओं को मत्स्य उत्पाद बेचने का रोजगार भी प्राप्त होगा। यह पहल महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर जिलाधिकारी गोस्वामी एवं मेयर कल्पना देवलाल ने कहा कि यह योजना न केवल महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाएगी, बल्कि स्थानीय उत्पादों को एक नई पहचान भी देगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने दी 14.62 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति, विकास योजनाओं को लगे पंख

पथ प्रवाह, देहरादून, 08 अक्टूबर।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के सर्वांगीण विकास को गति देने तथा जनहित के प्रस्तावों को प्राथमिकता देते हुए कुल 14.62 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इनमें सड़कों के निर्माण से लेकर प्रशासनिक भवनों के सुदृढ़ीकरण और आपदा प्रबंधन प्रणाली को आधुनिक बनाने तक के कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद नैनीताल के विधानसभा क्षेत्र नैनीताल के विकासखण्ड बेतालघाट में दूनीखाल से रातीधाट (पाडली) तक मोटर मार्ग निर्माण के लिए ?9.81 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है। इस सड़क निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में आवागमन सुगम होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। राज्य की आपदा प्रतिक्रिया प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री ने एसडीआरएफ वाहिनी कन्ट्रोल रूम को कमाण्ड एंड कंट्रोल सेंटर के रूप में स्थापित करने तथा इसे आधुनिक तकनीकों के साथ उच्चीकृत करने के लिए 25 लाख की स्वीकृति राज्य आपदा मोचन निधि के अंतर्गत प्रदान की है। इसी क्रम में जनपद पिथौरागढ़ की तहसील थल के कार्यालय भवन निर्माण के लिए 4.56 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस भवन से स्थानीय प्रशासनिक कार्यों में सुविधा और पारदर्शिता बढ़ेगी। विकास के साथ संवेदनशील शासन की मिसाल पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने राज्य आन्दोलनकारी स्व. धर्मानन्द बमराडा की आश्रित पत्नी श्रीमती सीता देवी को 6000 प्रतिमाह राज्य आन्दोलनकारी आश्रित पेंशन अनुमन्य किये जाने का भी अनुमोदन प्रदान किया है। इससे पहले उन्हें 4500 प्रतिमाह पेंशन प्राप्त हो रही थी।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार विकास की रफ्तार के साथ-साथ उन सभी लोगों के प्रति कृतज्ञ है जिन्होंने राज्य निर्माण के लिए अपना योगदान दिया। विकास योजनाओं की स्वीकृतियां और सामाजिक सरोकारों के प्रति यह निर्णय सरकार की जनसमर्पित और संवेदनशील नीति को दर्शाते हैं।

उत्तरकाशी में राज्य स्थापना रजत जयंती उत्सव की तैयारियां शुरू, तय हुई 7 दिवसीय कार्यक्रमों की रूपरेखा

पथ प्रवाह,संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। राज्य स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शासन ने इस वर्ष राज्य स्थापना दिवस को विशेष रूप से राज्य स्थापना रजत जयंती उत्सव के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। शासन के निर्देशों के अनुपालन में उत्तरकाशी जनपद में भी उत्सव को भव्य रूप से मनाने की तैयारी शुरू हो गई है। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार मुख्य विकास अधिकारी एस.एल. सेमवाल ने सोमवार को विकास भवन सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर उत्सव की रूपरेखा तय की।

बैठक में तय किया गया कि राज्य स्थापना रजत जयंती सप्ताह कार्यक्रम 2 नवम्बर से 9 नवम्बर तक आयोजित किए जाएंगे। इस अवधि में जनपद स्तर पर प्रतिदिन विभिन्न कार्यक्रम होंगे, जिनका मुख्य आयोजन स्थल रामलीला मैदान रहेगा। प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से होने वाले कार्यक्रमों में 17 विभागों द्वारा अपने-अपने विभागीय स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

सीडीओ सेमवाल ने बताया कि उत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, रोजगार मेला, वॉलीबॉल प्रतियोगिता, गंगा आरती, दीपोत्सव और भजन संध्या जैसे विविध आयोजन किए जाएंगे। स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान कर स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में साहित्यकारों, सामाजिक संगठनों, उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों, खिलाड़ियों एवं श्रेष्ठ विद्यालयों का सम्मान समारोह भी आयोजित किया जाएगा। लोगों को स्थानीय स्वाद का अनुभव कराने के लिए फूड फेस्टिवल 'गढ़ भोज' और पोषण मेला का भी आयोजन होगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में जनता की समस्याओं के समाधान हेतु प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर चौपाल आयोजित की जाएगी, जहाँ विभागीय अधिकारी सीधे ग्रामीणों से संवाद कर उनकी शिकायतें सुनेंगे। साथ ही इस अवधि में विभिन्न विभागों की योजनाओं के शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम भी होंगे। सभी सरकारी कार्यालयों एवं परिसरों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

बैठक में परियोजना निदेशक अजय सिंह, जिला विकास अधिकारी रमेशचंद्र, सीओ जनक पंवार, सीएचओ डॉ. रजनीश सिंह, सीएओ एस.एस. वर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर जोशी, प्रबंधक रिप कपिल उपाध्याय, सहायक निदेशक डेयरी पीयूष आर्य, जिला पर्यटन विकास अधिकारी के.के. जोशी, महाप्रबंधक उद्योग शैली डबराल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों ने देश को दी मजबूती: सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत

पथ प्रवाह,हरिद्वार, 8 अक्तूबर

भारतीय उद्योग संघ (आईआईए) की 40वीं वर्षगांठ और हरिद्वार चैप्टर की सालगिरह के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश की आर्थिक नीतियों को मजबूती प्रदान कर रहा है, जिससे छोटे और मझौले उद्योगों को सीधा लाभ मिल रहा है।

लोकल फॉर वोकल अभियान को मजबूत करने का आह्वान

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने उद्यमियों से आग्रह किया कि वे लोकल फॉर वोकल अभियान का अधिकतम लाभ उठाएँ। उन्होंने कहा, ÷यह अभियान छोटे उद्योगों और व्यवसायों को सशक्त बनाने के साथ-साथ रोजगार सृजन में भी अहम भूमिका निभा रहा है। केंद्र सरकार लगातार नीतियों और योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उद्योगों को सहयोग दे रही है।

छोटे उद्योगों और रोजगार सृजन में वृद्धि

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने बताया कि देश आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है, और इसके लिए छोटे उद्योगों की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर हर प्रयास कर रही है कि हर उद्यमी तक सरकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ पहुंचे। विधायक आदेश चौहान ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार स्थानीय उद्योगों को मजबूत बनाने के लिए लगातार कदम उठा रही है, जिससे रोजगार सृजन में वृद्धि हुई है। सांसद और विधायक ने मिलकर उद्यमियों से अपील की कि वे सरकारी योजनाओं और लोकल फॉर वोकल अभियान का भरपूर लाभ उठाएँ।

समारोह में गणमान्य उपस्थितियां

कार्यक्रम का संचालन सचिव कपिल मोदी ने किया। हरिद्वार चैप्टर की वाइस चेयरमैन संध्या शर्मा और आईआईए के चेयरमैन तरुण गोयल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में जीएम डीआईसी उत्तम सिंह तिवारी, आरएम सिडकुल कमल कुमार, आईआईए महासचिव दीपक बजाज, डिविजनल चेयरमैन तरुण गोयल, राहुल शर्मा, दिनेश पुंडीर, अनिल अग्रवाल, अनिल मनोचा, दीपांशु, मनीष सिंघल, अक्षय दहिया, प्रणव, शरद, नितिन जैन, शिवांग मल्होत्रा, विवेक अग्रवाल, किरण भटनागर, ऋषिका, पुरुषोत्तम सहित बड़ी संख्या में महिला उद्यमी उपस्थित रहे।

आईआईए का योगदान

सांसद के संबोधन के दौरान आईआईए के प्रतिनिधि दिनेश अग्रवाल ने कहा कि संगठन स्थानीय उद्यमियों और सरकारी योजनाओं के बीच एक पुल का काम करता है। उनका कहना था कि आईआईए लगातार छोटे उद्योगों को सशक्त बनाने और उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रयासरत है।

एक नजर

चोपता पुलिस ने चलाया साइबर अपराध जागरूकता अभियान

सतेराखाल बाजार सहित आसपास क्षेत्रों में दी गई जनजागरूकता।

पथ प्रवाह, संवाददाता/रुद्रप्रयाग, 08 अक्टूबर 2025 – रुद्रप्रयाग जनपद के चौकी दुर्गाधार (चोपता) क्षेत्र अंतर्गत प्रभारी देवेंद्र के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा आज सतेराखाल बाजार एवं आसपास के क्षेत्रों में साइबर अपराधों के प्रति आम जनमानस को जागरूक किया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने लोगों को बताया कि डिजिटल युग में साइबर अपराधी विभिन्न माध्यमों – जैसे डिजिटल अरेस्ट, फर्जी वीडियो कॉल, फिशिंग लिंक, बैंकिंग फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी तथा सोशल मीडिया हैकिंग आदि तरीकों से भोले-भाले लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। जनता को इनसे सतर्क रहने के साथ यह भी बताया गया कि किसी भी अज्ञात व्यक्ति के कॉल या लिंक पर विश्वास न करें तथा अपने बैंक विवरण, ओटीपी या व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें। पुलिस ने कहा कि यदि किसी के साथ किसी प्रकार का साइबर अपराध होता है तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें, ताकि फर्जीवाड़े से बचा जा सके।

कैलाश मैराथन की तैयारियों की समीक्षा करने पिथौरागढ़ पहुंचे सचिव पर्यटन

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। आगामी 2 नवंबर को आयोजित होने वाली आदि कैलाश मैराथन की तैयारियों की समीक्षा के लिए सचिव पर्यटन धीरज सिंह गर्ब्याल बुधवार को पिथौरागढ़ पहुँचे। इस अवसर पर उन्होंने लंदन फोर्ड क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गर्ब्याल ने कहा कि आदि कैलाश मैराथन न केवल एक खेल आयोजन है, बल्कि यह क्षेत्र की सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यटन संभावनाओं को भी उजागर करता है। उन्होंने आयोजन की सभी तैयारियाँ समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान सचिव पर्यटन ने लंदन फोर्ड स्थित ऐतिहासिक किले के संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए इसके परिसर को पर्यटकों के लिए आकर्षक और सुविधायुक्त रूप में विकसित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

73वां राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक गौचर मेला तैयारी की प्रथम बैठक सम्पन्न

मेले हमारी सांस्कृतिक धरोहर और विरासत है : नगर पालिका अध्यक्ष कर्णप्रयाग

मेले मे प्लास्टिक उपयोग को कम करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी-जिलाधिकारी

जिलाधिकारी ने कहा मेले में छात्र-छात्राओं के लिए करियर काउंसलिंग के स्टाल से मिलेगा छात्रों को मार्गदर्शन

पथ प्रवाह, चमोली, संदीप बर्तवाल

आगामी 73वें राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक गौचर मेले की तैयारियों को लेकर मंगलवार को मेला अध्यक्ष/जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में राजकीय इंटर कॉलेज गौचर के सभागार कक्ष में प्रथम बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, व्यापार संघ के पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मेले को भव्य और सफल बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक के दौरान मेलाधिकारी / उपजिलाधिकारी कर्णप्रयाग सोहन सिंह रांगण ने पिछले वर्ष आयोजित 72वें गौचर मेले की प्राप्त एवं व्यय की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेले के खाते में ब्याज सहित कुल 57,206 रुपये की राशि अवशेष है, जिसके आधार पर इस वर्ष के मेले को भव्य और दिव्य स्वरूप देने हेतु योजनाबद्ध तैयारी की जा रही है। सामाजिक कार्यकर्ता भुवन नौटियाल ने कहा कि मेले को भव्य स्वरूप देने हेतु कम से कम 50 लाख रुपये की धनराशि शासन से मांगी जानी चाहिए, ताकि स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हों। उन्होंने नंदा देवी राजजात यात्रा को मेले से जोड़कर प्रचार-प्रसार करने का भी सुझाव दिया। व्यापार संघ अध्यक्ष राकेश लिंगवाल ने जनभावनाओं के अनुरूप मेले के आयोजन की आवश्यकता बताते हुए दुकानों के किराये में कमी लाने का आग्रह किया।हरिकेश भट्ट ने कहा कि मेले के माध्यम से युवाओं को आपदा प्रबंधन एवं बचाव का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए, जिसके लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के कैम्प लगाए जाएँ। सुरेन्द्र कनवासी ने आपदा प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए आर्थिक सहयोग की अपील की तथा दुकानों के आवंटन में पारदर्शिता बनाए रखने की बात कही। स्थानीय लोगों ने सुझाव दिया कि मेले में आने वाले छात्र-छात्राओं के लिए कैरियर काउंसलिंग स्टॉल लगाए जाएँ, जिससे उन्हें भविष्य के रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी मिल सके। चैतन्य बिष्ट ने कहा कि स्किल इंडिया योजना के तहत युवाओं को स्वरोजगार प्रशिक्षण देने हेतु विशेष स्टॉल स्थापित किए जाएँ।

पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज गौचर में जनपदीय विज्ञान संगोष्ठी-2025 का भव्य आयोजन

पथ प्रवाह, गौचर, संदीप बर्तवाल

पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज गौचर में बुधवार को जनपदीय विज्ञान संगोष्ठी-2025 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन जनपदीय विज्ञान समन्वयक गंभीर सिंह असवाल (प्रवक्ता भौतिकी) के नेतृत्व में किया गया। संगोष्ठी का विषय था– क्वांटम युग का आरंभ संभावनाएं और चुनौतियां। जनपद के सभी विकासखंडों से चयनित 18 छात्र-छात्राओं (15 छात्राएं एवं 3 छात्र) ने अपने विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य शिक्षा अधिकारी धर्म सिंह रावत, प्राचार्य डायट गौचर आकाश सारस्वत, खण्ड शिक्षा अधिकारी कर्णप्रयाग विनोद मटूढा, प्रधानाचार्य डॉ. सुमन ध्यानी शर्मा और जिला समन्वयक गंभीर सिंह असवाल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय की छात्राओं ने संगीत अध्यापिका श्रद्धा रावत के निर्देशन में सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल में रविन्द्र सिंह वर्त्वाल (प्रवक्ता, डायट गौचर), खडक सिंह बिष्ट (रा.इ.का. गौचर) और बृजमोहन सती (रा.इ.का. बरतोली) शामिल रहे। प्रतियोगिता में रिद्धिमा रावत (शिवांगी इंटरनेशनल स्कूल पोखरी) ने प्रथम स्थान, कृतिका (रा.इ.का. भराडीसैंण) ने द्वितीय स्थान और अनुप्रिया (रा.बा.इ.का. कर्णप्रयाग) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिला समन्वयक गंभीर सिंह असवाल ने बताया कि प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी 13 अक्टूबर को पिथौरागढ़ में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी में प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम का संचालन गंभीर सिंह असवाल एवं बीरेंद्र सिंह नेगी (ब्लॉक समन्वयक) ने संयुक्त रूप से किया।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालय: 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन– 249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई– www.pathpravah.com